राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 16 जून 2025 वर्ष-8,अंक-117 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हादसों का लैक सनडे...!

नई दिल्ली/पुणे/केदारनाथ/मथुरा/शिवपुरी(ईएमएस)।7 जून को जब से मंगल सिंह राशि में गोचर कर गए हैं, तब से देश-विदेश में हादसे बढ़ गए हैं। रविवार को देश में कई हादसे हुए हैं जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की जान गई है। रविवार हादसों का ब्लैक संडे बन गया है।

पुणे में पुल टूटा, 2 की मौत, 38 लापता

महाराष्ट्र के पुणे जिले के मावल तहसील के कुंडमाला गांव के पास में रविवार को दोपहर 3ः30 बजे इंद्रायणी नदी पर बना पुल ढह गया। घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों के मुताबिक 38 लोग लापता हैं। विधायक सुनील शेलके ने पहले दावा किया था कि हादसे में 6 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें बच्चे भी शामिल हैं। हालांकि सीएम देवेंद्र फडणवीस और पुणे जोन 2 के डीसीपी ने 2 लोगों की मौत की पुष्टि की है। एनडीआरएफ की टीमों ने 6 लोगों का रेस्क्यू किया है। बताया जा रहा है कि यह हादसा उस वक्त हुआ, जब कई लोग नदी के तेज बहाव को देखने के लिए खड़े थे। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह पुल पहले से ही बहुत खराब और जर्जर स्थिति में था। हादसे के समय पुल पर क्षमता से अधिक पर्यटक मौजूद थे। लोग टू-व्हीलर और मोटरसाइकिल ले जा रहे थे। इसी वजह से पुल भार सहन नहीं कर सका।

हेलिकॉप्टर क्रैश, 7 की मौत

केदारनाथ के पास गौरीकुंड में रविवार सुबह करीब 5ः20 बजे हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। इसमें पायलट समेत सभी 7 यात्रियों की मौत हो गई। मरने वालों में महाराष्ट्र का 2 साल का बच्चा भी शामिल है। हेलिकॉप्टर श्रद्धालुओं को लेकर केदारनाथ मंदिर से गौरीकुंड के लिए उड़ा था। प्रारंभिक जांच में पाया गया है कि घाटी में बादल थे और विजिबिलिटी ठीक नहीं थी, फिर भी हेलीकॉप्टर उड़ाया गया। यह आर्यन एविएशन कंपनी का था। हादसे के बाद चार धाम यात्रा हेलिकॉप्टर सर्विस पर रोक लगा दी गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हेली सर्विस के संचालन को लेकर सख्त नियम बनाए जाएंगे। इसमें हेलिकॉप्टर की तकनीकी स्थिति की जांच और उड़ान से पूर्व मौसम की सटीक जानकारी लेना अनिवार्य होगा। इधर, जंगलचट्टी के पास खड्ड में मलबा और पत्थर गिरने से श्री बाबा केदारनाथ धाम जाने वाला रास्ता क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके बाद सोनप्रयाग से केदारनाथ धाम जाने वाले रूट को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। पैदल मार्ग से यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं, जिनमें सडक़ क्षतिग्रस्त होने से पहले केदारनाथ धाम के लिए रवाना हो चुके श्रद्धालु भी शामिल हैं, उनकी प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

एक साथ 6 मकान ढहे, 3 की मौत

मथुरा के गोविंद नगर इलाके में रविवार दोपहर करीब 12 बजे एक साथ 6 मकान अचानक से भरभराकर गिर गए। अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। 4 लोगों को मलबे से बाहर निकाला गया है। करीब 6 घंटे से 6-7 लोग मलबे में दबे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस, नगर निगम, प्रशासन और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। मृतकों की पहचान तोताराम (38), दो सगी बहनें यशोदा (6) और काव्या (3) के तौर पर हुई है। सभी 6 मकान जो ढहे हैं, वो मिट्टी के टीले पर बने हुए थे। लोगों ने बताया कि यहां बाड़े (खुली भूमि) में जेसीबी से खुदाई चल रही थी। तभी अचानक मिट्टी धसकी और एक के बाद एक सभी मकान मलबे में तब्दील हो गए। लोगों ने बताया कि जब हादसा हुआ तो ऐसा लगा कि भूकम्प आ गया हो। लोगों को भागने तक का मौका नहीं मिला।

शिवपुरी में 80 करोड़ का निर्माणाधीन रेलवे पुल गिरा

शिवपुरी में एक ओर बड़ा पुलिस भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। रात करीब 12 बजकर 10 मिनट पर शिवपुरी में 80 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन पुल भरभराकर गिर गया। घटना के समय मजदूर ओवरब्रिज पर काम कर रहे थे। हादसे में 6 मजदूर घायल हुए हैं। जिन्हें रात का ही जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। शहर के पोहरी वायपास स्थित न्यू बस स्टैंड रेलवे क्रॉसिंग पर 80 करोड़ की लागत से ओवरब्रिज का निर्माण कराया जा रहा है। शनिवार रात को मजदूर ओवरब्रिज पर वाइब्रेटिंग और कॉन्क्रीट भरने का काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक ब्रिज का निर्माणाधीन हिस्सा नीचे गिर गया। मजदूर भी नीचे आ गिरे। हादसे के दौरान कोई मजदूर पुल के निचले हिस्से में मौजूद नहीं था। घटना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची। पुल निर्माण का काम देख रहे इंजीनियर प्रवीण पांडे ने पुल निर्माण में तकनीकी खामी मानी है। उन्होंने बताया कि कैपेसिटी से ज्यादा वाइब्रेटिंग कर दी गई थी, जिससे ब्रिज का हिस्सा असंतुलित होकर गिर गया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी शिवपुरी के पोहरी के छर्च में पुल गिर चुका है।

12 जून को हुआ अहमदाबाद विमान हादसा

वैदिक ज्योतिष अनुसार गोचर में षडाष्टक, मंगल- केतु युति और राहु- मंगल के समसप्तक योग के बाद अहमदाबाद विमान हादसा हुआ जिसमें लगभग 270 लोगों की मौत हो गई है। वैसे हादसे की जांच की जा रही है, लेकिन अगर ज्योतिषीय दृष्टिकोण से देखे तो इन खराब योगों की वजह से हादसा हो सकता है।

ईरान और इजराइल युद्ध का होना

वैसे तो ईरान और इजराइल में तनाव काफी दिनों से चल रहा है। लेकिन कुछ दिन पहले से इन देशों में युद्ध शुरू हो गया है और दोनों देशों ने एक- दूसरे पर ड्रोन और मिसाइल से अटैक शुरू कर दिए हैं, जिससे कई लोगों की जान गई है। ज्योतिष के दृष्टिकोण से देखें तो मंगल- केतु योग और शनि- मंगल का षडाष्टक योग कारक हो सकता है, क्योंकि मंगल और शनि भूमि के कारक होते हैं और इन देशों के बीच लड़ाई गाजा की जमीन को लेकर शुरू हुई थी।

ईरान-इजरायल के बीच युद्ध से कच्चे तेल की कीमत 7.02 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान-इजरायल के बीच अंतराष्ट्रीय बाजार में ट्रेडिंग के दौरान कच्चे तेल की कीमत 7.02 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गई. कच्चे तेल की कीमत बढ़कर ट्रेडिंग के दौरान एक समय 78.50 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी. शुक्रवार को ईरान के स्ट्रेटेजिक लोकेशंस पर इजरायल के मिसाइल हमले के बाद कच्चा तेल अंतराष्ट्रीय बाजार में ट्रेडिंग के दौरान 10 फीसदी तक महंगा हो गया था. दरअसल , इजरायल और ईरान के बीच युद्ध का दायरा अगर मिडिल ईस्ट में और बढ़ता है, तो इसका सीधा असर कच्चे तेल की सप्लाई पर पड़ेगा. यही वजह है कि अंतराष्ट्रीय तेल बाजार में उथल-पुथल फिर बढ़ती जा रही है. अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार में बढ़ती अनिश्चितता के बीच, केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने शुक्रवार को पेट्रोलियम सचिव और बड़ी सरकारी तेल कंपनियों के सीएमडी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की. भारत अपनी जरूरत का करीब 80 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है. पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल और गैस दोनों की कीमतों में उथल-पुथल बढ़ेगी जिसका भारतीय अर्थव्यवस्था पर, विशेषकर ऑयल इम्पोर्ट बिल पर सीधा असर पड़ेगा.

गृह मंत्री शाह ने 60 हजार पुलिस रिक्रूट्स को सौंपे नियुक्ति पत्र और बोले- ऑपरेशन सिंदूर से आतंकियों के ठिकाने किए ध्वस्त

लखनऊ (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में एक भव्य कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस में चयनित 60,244 नवचयनित रिक्रूट्स को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। अमित शाह ने इसे उत्तर प्रदेश के इतिहास की सबसे बड़ी पुलिस भर्ती बताया। गृह मंत्री शाह ने इस मौके पर कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में आतंकवाद पर कड़ा प्रहार किया गया है। उन्होंने कहा, कि उरी, पुलवामा और पहलगाम में हुए हमलों के बाद भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर के जरिए आतंकियों के ठिकानों को तबाह कर दिया। उन्होंने कहा कि पहले पुलिस भर्ती में जातिवाद का बोलबाला था, लेकिन अब प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और तकनीक आधारित हो चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि इस भर्ती में 12,000 से ज्यादा महिला पुलिसकर्मी शामिल की गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे राज्य के युवाओं के लिए ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि यूपी पुलिस अब नई ऊंचाइयों को छूने की ओर अग्रसर है। उन्होंने नवचयनित सिपाहियों से कहा कि प्रशिक्षण में जितना पसीना बहाओगे, ड्यूटी में उतना ही खून बचेगा। कार्यक्रम में यूपी पुलिस की आधुनिक सुविधाओं और सुधारों की भी चर्चा की गई। गृह मंत्री ने भरोसा जताया कि नए कानूनों के लागू होने के बाद न्यायिक प्रक्रिया और तेज होगी और नागरिकों को समय पर न्याय मिल सकेगा।

राम मंदिर में राम दरबार भक्तों के लिए खुला, दिन को 6 स्लॉट में बांटा

-दो घंटे कर सकेंगे दर्शन, सीमित संख्या में पास होंगे जारी

अयोध्या (एजेंसी) । अयोध्या में राम मंदिर की पहली मंजिल पर स्थापति राम दरबार अब भक्तों के लिए खोल दिया गया है। राम दरबार के दर्शन की व्यवस्था शुरू किए जाने को लेकर शनिवार देर शाम फैसला लिया गया। इसलिए शनिवार को सिर्फ दो स्लॉट शाम 5 से 7 और 7 से 9 बजे के लिए सीमित संख्या में पास जारी किए गए। जन्मभूमि मंदिर में दर्शन की परंपरा अब एक नए और भव्य रूप में परिवर्तित हो गई है। श्रद्धालु अब सिर्फ बाल स्वरूप रामलला के नहीं, बल्कि पूरे राम दरबार-राजा राम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान के भी दर्शन कर सकेंगे। यह नई दर्शन-व्यवस्था आज से प्रभावी हो गई है, जिससे भक्तों में खासा उत्साह नजर आ रहा है। राम मंदिर ट्रस्ट ने दर्शन की सुविधा को व्यवस्थित और सुगम बनाने के लिए पूरे दिन को छह भागों में बांटा है। हर स्लॉट में 300 श्रद्धालु दर्शन करेंगे। प्रत्येक स्लॉट का समय दो घंटे रखा है।

साइप्रस पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

हवाई अड्डे पर स्वागत के लिए राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस को दिया धन्यवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को साइप्रस की दो दिवसीय यात्रा पर पहुंचे, जहां वह द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के साथ बातचीत करेंगे। मोदी तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में यहां पहुंचे, जहां वह कनाडा और क्रोएशिया भी जाएंगे। यह दो दशकों से अधिक समय में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की साइप्रस की पहली यात्रा है। मोदी ने एक्स पर लिखा कि साइप्रस पहुँच गया हूँ। हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत करने के विशेष सम्मान के लिए साइप्रस के राष्ट्रपति श्री निकोस क्रिस्टोडौलिडेस का आभार। यह यात्रा भारत-साइप्रस संबंधों को महत्वपूर्ण गति प्रदान करेगी, विशेष रूप से व्यापार, निवेश और अन्य क्षेत्रों में।

साइप्रस की राजधानी निकोसिया में प्रधानमंत्री राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलिडेस के साथ वार्ता करेंगे और लिमासोल में व्यापार जगत के नेताओं को संबोधित करेंगे। साइप्रस से वे कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कनाडा के कनानास्किस जाएंगे। जी7 शिखर सम्मेलन के बाद मोदी क्रोएशिया जाएंगे और राष्ट्रपति ज़ोरान मिलनोविक तथा प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच के साथ बैठक करेंगे।

मोदी ने कहा कि तीन देशों की उनकी यात्रा सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को उनके दृढ़ समर्थन के लिए भागीदार देशों को धन्यवाद देने तथा सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद से निपटने के लिए वैश्विक समझ को प्रेरित करने का अवसर भी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि कनाडा में होने वाला आगामी जी-7 शिखर सम्मेलन महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों और वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं पर विचारों के आदान-प्रदान के लिए मंच प्रदान करेगा। वह तीन देशों की यात्रा पर रवाना हुए।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का सोमवार को राजकोट में होगा अंतिम संस्कार

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का सोमवार को उनके गृह नगर राजकोट में अंतिम संस्कार होगा। आज शाम तक उनका पार्थिव देह राजकोट ले जाया जाएगा। रूपाणी परिवार भी आज शाम तक गांधीनगर से राजकोट पहुंच जाएगा। बता दें कि 12 जून को अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में विजय रूपाणी का निधन हो गया था। अब तक विजय रूपाणी के डीएनए के मिलान का इंतजार किया जा रहा था। बाद में राज्य के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने आधिकारिक घोषणा करते हुए कहा कि उनका डीएनए मिलान हो गया है। सुबह 11ः10 बजे डीएनए सैंपल का मिलान हुआ। अब उनका पार्थिव शरीर आज शाम तक राजकोट ले जाया जाएगा। जानकारी के अनुसार, पार्थिव शरीर को राजकोट स्थित विजय रूपाणी के आवास प्रकाश सोसायटी ले जाया जाएगा, जहां अंतिम संस्कार की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। प्रकाश सोसायटी से रामनाथपारा श्मशान घाट तक अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। विजय रूपाणी का अंतिम संस्कार रामनाथ श्मशान घाट पर किया जाएगा। अंतिम संस्कार मार्ग को लेकर राजकोट पुलिस कमिश्नर की अधिसूचना के मुताबिक अंतिम संस्कार यात्रा से 1 घंटे पहले मार्ग पर वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। प्रकाश सोसायटी से रामनाथ परा तक का मार्ग वाहनों के लिए बंद रहेगा।

हम अपना बचाव कर रहे हैं, हमारा बचाव पूरी तरह से वैध

ईरानी विदेश मंत्री ने कहा-इजराइल हमले रोके, हम सीजफायर को तैयार

तेहरान (एजेंसी)। इजराइल के ईरान पर हमले के बाद से दोनों देश एक-दूसरे पर लगातार हमले कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ईरान को धमकी दी है कि अगर यूएस सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया तो हमारी सेना भी उन टूट पड़ेगी। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री ने सीजफायर का प्रस्ताव रखा है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने हाल ही में विदेशी राजनयिकों के साथ एक बैठक में कहा कि हम अपना बचाव कर रहे हैं, हमारा बचाव पूरी तरह से वैध है। अगर हम पर हमले रुक जाते हैं तो स्वाभाविक रूप से हम भी हमले रोक देंगे। ईरान ने शनिवार की रात और रविवार सुबह इजराइल पर दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिनमें से कई ने सैन्य के साथ नागरिक क्षेत्रों पर भी गिरीं। रिपोर्टों के मुताबिक कम से कम 10 इजराइली नागरिकों की मौत हो चुकी है। इस हमले को ईरान का सबसे बड़ा प्रत्यक्ष सैन्य जवाब माना जा रहा है।

ईरानी विदेश मंत्री ने इजराइल पर आरोप लगाया कि उसने ईरान और कतर के बीच मौजूद गैस एरिया को टारगेट किया है। उन्होंने इस हमले को आक्रामक और खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि संघर्ष को फारस की खाड़ी तक खींचना एक रणनीतिक गलती है। बता दें दक्षिण पारस क्षेत्र दुनिया के सबसे बड़े गैस भंडारों में से एक है। अगर संघर्ष वहां तक फैला तो यह वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को खतरे में डाल सकता है।

ईरानी विदेश मंत्री ने आरोप लगाया कि इजराइल का मुख्य उद्देश्य ईरान और अमेरिका के बीच चल रही परमाणु बातचीत को विफल करना है। इस रविवार को छठे दौर की बातचीत में एक प्रस्ताव पेश होना था, जो अब रद्द हो चुका है। उन्होंने अमेरिका का नाम लिए बिना कहा कि इजराइल का हमला समर्थन के बिना नहीं होता है। अगर अमेरिका भरोसा चाहता है तो उसे हमलों की निंदा करनी चाहिए।

ट्रंप के जन्मदिन, सेना की परेड पर 350 करोड़ खर्च, विरोध करने सड़कों पर उतरे लोग

अमेरिका में ट्रंप की नीतियों के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन, हॉलीवुड सितारे भी शामिल

वाशिंगटन(एजेंसी)। अमेरिका की सड़कों पर रविवार को जश्न और प्रदर्शन दोनों हो रहे हैं। जश्न अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जन्मदिन और अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ का मनाया जा रहा है। वही प्रदर्शन की वजह है राष्ट्रपति ट्रंप का जन्मदिन। मतलब ट्रंप का जन्मदिन और इस मौके पर अमेरिकी सेना की भव्य परेड का जश्न तो मनाया ही जा रहा है। इसे लेकर अमेरिका में व्यापक विरोध हो रहा है।

बता दें डोनाल्ड ट्रंप ने 14 जून को अपना 79वां जन्मदिन मनाया। अमेरिका में जश्न मनाया जा रहा है। यह मौका अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ का भी है। इस मौके पर वॉशिंगटन डीसी में सेना की भव्य परेड आयोजित की जा रही है, जिसमें 6000 से ज्यादा सैनिक, 150 से ज्यादा बख्तरबंद गाड़ियों और 50 से ज्यादा लड़ाकू विमानों ने हिस्सा लिया। इस भव्य परेड पर 350 करोड़ रुपए से ज्यादा की धन खर्च होने की बात कही जा रही है, जिसका वहां की जनता विरोध कर रही है।

ट्रंप के विरोधियों का आरोप है कि अमेरिकी सेना की यह भव्य परेड ट्रंप के जन्मदिन का जश्न मनाने के लिए कर रही है। इसे पूरी तरह से जनता के पैसे की बर्बादी और तानाशाही का प्रतीक बताया जा रहा है। इस परेड के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं जिनमें मार्क रफैलो जैसे हॉलीवुड सितारें भी शामिल हैं। सैन्य परेड में टैंक, बख्तरबंद वाहन और लड़ाकू विमान शामिल थे, जिसे एक तरह का शक्ति प्रदर्शन बताया जा रहा है।

हालांकि ट्रंप प्रशासन का कहना है कि अमेरिकी सेना की स्थापना के 250 साल पूरा होने के मौके पर इस परेड का आयोजन किया गया है। इस सैन्य परेड में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने 18 मील तक एंटी स्केल फेसिंग लगाई थी, लेकिन संयोग से ट्रंप के जन्मदिन के वक्त सैन्य परेड का आयोजन करने और उसमें भारी पैसा खर्च करने की वजह से इसका विरोध हो रहा है। ट्रंप ने परेड को देश की सैन्य ताकत का प्रदर्शन बताया लेकिन उन्होंने प्रदर्शनकारियों को चेतावनी भी दी कि किसी भी हिंसा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सुरक्षाबलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुंदर सपनों का असमय टूट जाना

विमान हादसा/ प्रमोद जोशी

महाराष्ट्र के बदलापुर के दीपक पाठक विमान के फ्लाइट असिस्टेंट थे। ग्यारह साल से भी ज़्यादा समय से एयरलाइन के समर्पित कर्मचारी दीपक किसी भी उड़ान से पहले घर पर फ़ोन करना नहीं भूलते थे। उन्होंने गुरुवार को भी ऐसा ही किया। इस त्रासदी ने पाठक परिवार के साथ-साथ बदलापुर के बड़े समुदाय को भी बहुत दुखी कर दिया, जो उन्हें एक सज्जन व्यक्ति के रूप में जानते थे।

एक दुर्घटना के साथ अनेक कहानियों, उपन्यासों और महाकाव्यों का अंत एक झटके में हो जाता है। इनमें से कुछ का ज़िक्र अखबारों और चैनलों में होता है और बहुत-सी कहानियां बगैर किसी चर्चा के खत्म हो जाती हैं। ज्यादातर के भीतर छिपी गहरी वेदना अव्यक्त रह जाती है।

दुर्घटनाओं में हताहतों की सूची कुछ संख्याओं और कुछ नाम और पतों की जानकारी देती है। इनसे जुड़ी कहानियां और भावनाएं छिपी रह जाती हैं। हरेक प्रभावित व्यक्ति के साथ संबंधों-संपर्कों और भावनाओं का लंबा सिलसिला होता है। एक दुर्घटना के साथ अनेक कहानियों, उपन्यासों और महाकाव्यों का अंत एक झटके में हो जाता है। इनमें से कुछ का ज़िक्र अखबारों और चैनलों में होता है और बहुत-सी कहानियां बगैर किसी चर्चा के खत्म हो जाती हैं। ज्यादातर के भीतर छिपी गहरी वेदना अव्यक्त रह जाती है। ज्यादा से ज्यादा एक या दो दिन हम इन्हें याद रखते हैं और फिर दुनिया आगे बढ़ जाती है।

भारत के छोटे-छोटे गांवों और कस्बों के छोटे-छोटे लोगों की उम्मीदों, सपनों और दुश्वारियों की किताबें खुल रही हैं। ड्राइंग रूमों से लेकर सड़क किनारे पड़ी मचिया (मंजी) के पास रखे टीवी सेट पर उम्मीदों की टकटकी लगाए करोड़ों लोग इसमें शामिल हैं। ऐसे में कुछ दुखभरी खबरें सुनाई पड़ती हैं, तो मन खिन्न हो जाता है। ऐसा ही कुछ अहमदाबाद में हुई विमान-दुर्घटना के बाद सुनाई पड़ रहा है।

इस हादसे में बचे एकमात्र यात्री विश्वास कुमार रमेश की कहानी भी अकल्पनीय है। वे कैसे बचे, वे खुद नहीं जानते। रमेश के भाई ने बताया कि दुर्घटना के कुछ समय फोन कॉल में रमेश ने अपने परिवार से कहा, मुझे नहीं पता कि मैं कैसे जीवित हूं। दूसरी तरफ इस दुर्घटना ने तमाम सपनों को तोड़ा और घर-परिवारों में विषाद की गहरी लकीर खींच दी। ऐसी तमाम कहानियां अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना के साथ खत्म हो गईं। इनमें राहत और बचाव से जुड़ी सकारात्मक कहानियां भी शामिल हैं।

सेवानिवृत्ति से कुछ महीने दूर एक पायलट, ग्यारह वर्ष से अधिक अनुभव वाली एक फ्लाइट अटेंडेंट, केबिन क्रू में शामिल दो मणिपुरी लड़कियों की कहानी और पनवेल की एक युवा फ्लाइट अटेंडेंट जो अपने गांव की असंख्य युवा लड़कियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई थी। वे उन 12 सदस्यीय चालक दल में शामिल थे, जो एयर इंडिया के इस ड्रीमलाइनर के साथ काल-कवलित हो गए। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की भी अहमदाबाद विमान हादसे में मौत हो गई। वे अपनी पत्नी अंजलि और बेटी से मिलने जा रहे थे।

60 वर्षीय कैप्टन सुमीत सभरवाल, विमान में सवार सबसे वरिष्ठ चालक दल के सदस्य थे। लंबे समय से पायलट रहे सभरवाल अपने 90 वर्षीय पिता के साथ पवई के जलवायु विहार में रह रहे थे। पड़ोसियों के अनुसार, वह रिटायर होने से बस कुछ ही महीने दूर थे और उन्होंने अपने बूढ़े पिता के साथ घर पर अधिक समय बिताने की योजना बनाई थी। जलवायु विहार के एक पड़ोसी ने बताया, वे बहुत ही रिज़र्व रहने वाले और अनुशासित व्यक्ति थे। हम अक्सर उन्हें वर्दी में आते-जाते देखते थे। उनकी मौत से न केवल उनके परिवार बल्कि पवई के आवासीय समुदाय को भी सदमा लगा है, जहां वे कई सालों से रह रहे थे।

महाराष्ट्र के बदलापुर के दीपक पाठक विमान के फ्लाइट असिस्टेंट थे। ग्यारह साल से भी ज़्यादा समय से एयरलाइन के समर्पित कर्मचारी दीपक किसी भी उड़ान से पहले घर पर फ़ोन करना नहीं भूलते थे। उन्होंने गुरुवार को भी ऐसा ही किया। इस त्रासदी ने पाठक परिवार के साथ-साथ बदलापुर के बड़े समुदाय को भी बहुत दुखी कर दिया, जो उन्हें एक सज्जन व्यक्ति के रूप में जानते थे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किसी ने एक सेल्फी प्रकाशित की है, जिसे करीब पौने दो करोड़ बार देखा गया है। इसमें एक युवा दंपति और उनके तीन छोटे बच्चों की मुस्कुराती तस्वीर है। यह तस्वीर राजस्थान के बांसवाड़ा के प्रतीक जोशी के परिवार की है, जो छह साल से लंदन में रह रहे थे। सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रतीक, लंबे समय से अपनी पत्नी और तीन छोटे बच्चों के लिए विदेश में जीवन बनाने का सपना देख रहे थे, जो भारत में ही रहते थे। कई साल तक की औपचारिकताओं के बाद आखिरकार उनका सपना सच होने जा रहा था।

दुर्घटना के दो दिन पहले, उनकी पत्नी, डॉ. कोमी व्यास ने, जो उदयपुर की चिकित्सक थीं, अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया। बैग-पैक के साथ पांच लोगों का यह परिवार एक नए भविष्य को संजोए लंदन जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट 171 में सवार हुआ। उन्होंने एक सेल्फी क्लिक की। इसे रिश्तेदारों को भेजा। यही सेल्फी सोशल मीडिया में अब वायरल है। एक नई ज़िंदिगी की वह यात्रा पूरी नहीं हो पाई। कुछ ही पलों में, जीवनभर के सपने राख में बदल गए।

मणिपुर के थौबल शहर की 21 वर्षीय नगनथोई शर्मा कोंगब्राइलात्पम 12 जून को अहमदाबाद में एयर इंडिया के दुर्घटनाग्रस्त विमान में केबिन क्रू की सदस्य थी। मणिपुर की एक और लड़की 28 वर्षीय लामनुनथेम सिंगसन भी उस फ्लाइट के केबिन क्रू में शामिल थी। सिंगसन का परिवार मई, 2023 में जातीय हिंसा भड़कने के बाद इंफाल से विस्थापित होने के बाद कुकी बहुल कांगपोकपी जिले में रह रहा है। दोनों के जीवन और संघर्ष की अलग-अलग कहानियां हैं, जो सुदूर पूर्वोत्तर से शुरू होकर लंदन, वॉशिंगटन, पेरिस, तोक्यो और बीजिंग तक जाती हैं।

नगनथोई ने अपनी बड़ी बहन को सुबह करीब 11:30 बजे फोन करके बताया कि मैं दिन में लंदन जा रही हूं। फोन पर कहा कि अब मैं 15 जून को वापस आने के बाद संपर्क करूंगी।

परिवार के लिए वह उसका आखिरी कॉल था। तीन बेटियों में मझली नगनथोई ने 2023 में एयर इंडिया में अपनी पहली नौकरी ज्वाइन की थी। उसके पिता ने बताया कि आखिरी बार वह इस साल मार्च में घर आई थी। वह उन्हें सरप्राइज देने के लिए आई थी, उस समय उनके पिता अस्पताल में इलाज करा रहे थे।

थौबल बहुत बड़ा शहर नहीं है। वहां की कुल आबादी 45 हजार के आसपास है। उस शहर से निकलकर दो सपने बाहर आए थे, जो असमय टूट गए। ऐसी ही कहानी महाराष्ट्र के पनवेल के न्हावा गांव की 24 वर्षीय फ्लाइट अटेंडेंट मैथिली मोरेश्वर पाटिल की है। उसने साधारण पृष्ठभूमि से आने के बावजूद विमानन क्षेत्र में अपने सपने को पूरा किया था। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी, लेकिन उसने इसके लिए पढ़ाई की। एयर इंडिया में नौकरी मिल जाने के बाद वह न्हावा गांव और उसके आसपास की अनगिनत युवा लड़कियों के लिए प्रेरणास्रोत बन गई।

केरल की 39 वर्षीय नर्स रंजीता गोपाकुमार भी विमान हादसे के पीड़ितों में शामिल थीं। रंजीता केरल सरकार की स्वास्थ्य सेवा में नर्स के रूप में काम करती थीं, लेकिन अपने दो बेटों के बेहतर भविष्य के लिए उन्होंने विदेश में अवसरों की तलाश के लिए छुट्टी ली थी। वह अपनी सरकारी नौकरी से संबंधित औपचारिकताएं पूरी करने के लिए चार दिन पहले ही ब्रिटेन से भारत लौटी थीं, उन्हें उम्मीद थी कि वह विदेश में कुछ समय बिताने के बाद फिर से सेवा में शामिल हो सकेंगी।

रंजीता केरल में अपने पैतृक गांव पुल्लाड में नई उम्मीदों के साथ घर आई थीं, एक नए घर की योजना को अंतिम रूप देने और अपने बच्चों और बुजुर्ग मां को एक सुरक्षित, अधिक स्थिर जीवन में ले जाने के लिए। रंजीता ने विदेश लौटने के लिए टिकट लिया था और चेन्नई से अहमदाबाद की उड़ान पकड़ी थी। उम्मीदों की यह यात्रा असमय समाप्त हो गई।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

संपादकीय

हमले से पस्त ईरान

सुनियोजित व ठोस खुफिया जानकारियों के साथ इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों व शीर्ष सैन्य अधिकारियों पर बड़े सधे हमले किए हैं। ईरान के नतान्ज स्थित मुख्य परमाणु संवर्धन केंद्र को भी निशान बनाया गया। शुक्रवार की सुबह इस्राइल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' के जरिये वायु रक्षा प्रणाली व मिसाइलों को ध्वस्त करते हुए ईरान के हवाई क्षेत्र में सैकड़ों लड़ाकू जहाजों के जरिये भारी तबाही मचायी। इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद की बड़ी भूमिका वाले इस ऑपरेशन के जरिये न केवल ईरान की मिसाइल क्षमता को कमजोर किया बल्कि हवाई रक्षा प्रणाली को भी बेअसर किया। जिसके बाद इस्राइली एयरफोर्स ने ताबड़तोड़ हमलों से ईरानी वायुक्षमता को बेदम कर दिया। लंबी खुफिया तैयारी के साथ इस्राइल ने ईरान के भीतर विस्फोटक ड्रोन बेस स्थापित किए और शुक्रवार तड़के इन ड्रोन ने ईरान के सैन्य ठिकानों में तबाही मचा दी। जिससे ईरान को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इस्राइल ने ईरान के सुरक्षा प्रतिष्ठानों, सैन्य अधिकारियों और परमाणु कार्यक्रम से जुड़े वैज्ञानिकों व प्रमुख लोगों पर लंबी तैयारी के बाद सटीक हमले किए। कई बड़े अधिकारियों को उनके घरों में ही मार दिया गया। दरअसल, इस्राइल का मानना था कि ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब है। यहां तक कि परमाणु कार्यक्रम की निगरानी करने वाली संस्था आईएईए ने स्पष्ट शब्दों में ईरान पर परमाणु अप्रसार समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था। हमले में सेना प्रमुख के अलावा ईरानी सेना की सबसे ताकतवर शाखा रिवोल्यूशनरी गाड्र्स के कमांडर हौसेन सलामी को भी मार डाला गया। हमले में न केवल यूरेनियम संवर्धन प्रतिष्ठान पर हमला किया गया, बल्कि कई परमाणु वैज्ञानिकों को भी मार दिया गया। ईरान ने इस्राइल पर नागरिक ठिकानों पर हमला करने के आरोप लगाए। उत्तर पूर्वी ईरान के अलावा नतांज परमाणु केंद्र पर भी धमाके सुने गए। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है। वहीं दूसरी ओर इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान को चेताया है कि जब तक ईरान की ओर से खतरे की आशंका खत्म नहीं हो जाती, ये हमले आगे भी जारी रहेंगे। दरअसल, इस्राइल का मानना रहा है कि ईरान संवर्धित यूरेनियम से परमाणु हथियार बनाने के करीब है, जो उसके अस्तित्व के लिये चुनौती है। इस्राइल ने ईरान पर उसके क्षेत्र में सैकड़ों ड्रोन दागने के भी आरोप लगाये हैं। वहीं दूसरी ओर ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई ने अमेरिका व इस्राइल को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। दूसरी ओर ईरान के सरकारी मीडिया ने इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गाड्र्स कोर के कमांडर इन चीफ हौसैन सलामी सहित पांच शीर्ष सैन्य अधिकारियों की मौत की बात स्वीकारी है। साथ ही दो महत्वपूर्ण परमाणु वैज्ञानिकों के मारे जाने की पुष्टि की गई है। दरअसल, ईरान अमेरिका व इस्राइल के दावों को खारिज करते हुए कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिये है। जबकि अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की दलील है कि ईरान की बातों पर विश्वास नहीं किया जा सकता। वह संवर्धित यूरेनियम से जुड़े प्रश्नों के तार्किक जवाब नहीं दे पाया है। कहा जा रहा है कि ईरान के गुप्त परमाणु ठिकानों का पता चलने के बाद उसके परमाणु कार्यक्रम की मंशा संदिग्ध बन गई है। उसने संवर्धित यूरेनियम भंडार के बारे में सटीक जानकारी भी नहीं दी। आईएईए की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि ईरान इतना यूरेनियम संवर्धित कर चुका है कि वह नौ परमाणु बना सकता है।

बूढ़े बुज़ुर्गों, माता-पिता की सेवा तुल्य कोई पुण्य नहीं - जीवन का सुख इनके श्रीचरणों में

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानी)

भारत आदि-अनादि काल से ही संस्कारों की खान रहा है। यहां की मिट्टी में ही गॉड गिफ्टेड संस्कारों की ऐसी अदृश्य शक्ति समाई हुई है कि मानवजन्म से ही संस्कारों की प्रतिभा मानवीय जीवों में समाहित हो जाती है इसमें कोई दो राय नहीं है!! परंतु जीव की उम्र बढ़ने के साथ-साथ पाश्चात्य संस्कृति की ललक अनेक अपवाद स्वरूपी मनीषियों में समाहित हो जाती है,जो बड़े बुज़ुर्गों का सम्मान तो नहीं परंतु अनादर करने पर उतारू हो जाते हैं? जिससे समाज में यह दूषित भावना पनपने का संदेह बना रहता है। इसलिए हम आज के युग में देख रहे हैं कि शासन-प्रशासन सामाजिक संस्थाएं, बुद्धिजीवी वर्ग, बड़े बुज़ुर्गों का सम्मान सुनिश्चित करने हमारी हजारों वर्ष पुरानी परंपरा, धरोहर और वैचारिक शक्तिबल को संरक्षित, सुरक्षित करने के लिए अनेक वेबिनार, कार्यक्रम, अभियान चलाए जा रहे हैं। साथियों बात अगर हम वर्तमान परिपेक्ष्य की करें तो हमारे बड़े बुज़ुर्गों का ध्यान रखनें की जवाबदारी व जिम्मेदारी युवा वर्ग की अधिक है जिन्हें भारतमाता की गोद से मिले संस्कारों को प्राथमिकता से सजग होकर रेखांकित करना अनिवार्य है। बड़े बुज़ुर्गों की सेवा का उन्हें मान-सम्मान देकर अत्यधिक पुण्य कमाना है। क्योंकि जब कोई बुज़ुर्ग निशब्द तुम्हारा तुम्हारे झुके सिर पर अपनी कंपकंपाती उंगलियां फिरादे तो समझो वरदान ख़ुशी और आशीर्वाद एकसाथ तुम्हें यूं ही मिल गया क्योंकि बड़े बुज़ुर्गों में ईश्वर अल्लाह का एक रूप समाहित होता है। साथियों बात अगर हम वरदान ख़ुशी और आशीर्वाद की करें तो वैश्विक स्तरपर भारत सबसे पुरानां आध्यात्मिकता में गहरीआस्था रखने वाला देश है यहां आध्यात्मिकता का विस्तार तेजी से हुआ है जो एक अच्छी बात है परंतु मेरा मानना है कि उसी तेजी के साथ मनीषियों की आस्था माता-पिता, बड़े बुज़ुर्गों के मान सम्मान सेवाभाव के प्रति अपेक्षाकृत कम होकर संकुचित होने के संकेत हाल के पश्चात संस्कृति की घुसपैठ के चलते मिल रहे हैं।

कई परिवार टूट रहे हैं, वृद्धाआश्रमों में बुज़ुर्गों की तादाद बढ़ रही है आखिर ऐसा क्यों ? मैंने अनेक ऐसे मनीषियों को भी देखा है जो अपने माता-पिता बड़े बुज़ुर्गों से तो अलग रहते हैं, उनकी सेवा ख़ुशी का ध्यान नहीं परंतु आध्यात्मिकता क्षेत्र में उनके नामपर बहुत बड़े सेवा भावी होंनें और आस्था का डंका बजता है यह देख मुझे बहुत हैरानी होती है!!!

साथियों बात अगर हम ऐसे बड़े बुज़ुर्गों की करें जिनको अपनों ने ठुकराया है तो मैंने स्वयंम कुछ बुज़ुर्गों से बात की तो उनका बड़प्पन देखिए कि अपने दुख दर्द बांटने की अपेक्षा उन्होंने अपनों की तारीफ ही की!!! वाह क्या बात है!!! आप ईश्वर अल्लाह के तुल्य हैं कहकर अनायास ही मेरे हाथ उनके चरणों में झुक गए तो उनकी आंखों में आंसू आ गए। साथियों ऐसे अनेक पीड़ित हर मेट्रोसिटी, शहर, गांव में हैं ऐसे किस्से हमें अपने शहरों में भी ज़रूर देखने को मिलते होंगे जिसे हम सब को मिलकर इस स्थिति को बदलना की ओर कदम बढ़ाना ही होगा।

साथियों बात अगर हम बड़े बुज़ुर्गों के वरदान ख़ुशी और आशीर्वाद की करें तो मेरा मानना है कि इनकी आशीर्वाद वरदान इस सृष्टि में सबसे बड़ा है इसके तुल्य किसी आध्यात्मिक आस्था में आशीर्वाद वरदान नहीं होंगे बस हम मनीषियों को यह बात अपने हृदय व मस्तिष्क में फिट करनी होगी। साथियों बात अगर हम नई पीढ़ी, युवकों की करें तो, बूढ़े व्यक्ति के पास स्मृतियां, जवान के पास कल्पनाएं हैं, यदि घर-घर दोनों का मेल बने तो कमाल हो जायेगा। धरती पर स्वर्ग उतर आयेगा!!! जबकि नई पीढ़ी को चाहिए माता-पिता के उत्तम गुणों के वारिस बनें, अपने बड़ों को मान दें, क्योंकि वृद्धों का जो वर्तमान है, वही युवाओं का भविष्य है। इसलिए यदि नई पीढ़ी अपने बड़े-बुज़ुर्गों का आशीर्वाद वरदान लेंने, उनका देवताओं की तरह पूजन करने, मिलकर रहने, सहयोग करने की सोच अपना ले, तो घरों के अन्दर प्रेम, सद्भाव जाग जाएगा और धरती में स्वर्ग उतर आयेगा। साथियों जरूरत है युवा-वर्ग माँ-बाप की अवहेलना न करे। बड़ों के प्रति सम्मान की भावना रहे। क्योंकि बूढ़ी आंखों में जब आंसू आते हैं, हृदय पर जब व्यंग बाण लगते हैं, शरीर काम नहीं करता और नींद आती नहीं तो ऐसे में व्यक्ति का जीना कठिन हो जाता है। वैसे भी बड़े-बुज़ुर्ग हमारी अमूल्य सम्पत्ति हैं। उनके पास अनुभवों का खजाना है, अतः उनके अनुभवों का लाभ उठाएं। कभी भूलकर भी उनसे अपशब्द न कहें। साथ ही अपने बच्चों को बड़ों के पास बैठने का अवसर दिया करें, क्योंकि उनके आशीर्वादों से बच्चे फलते-फूलते हैं। अन्य लोग स्वयं भी बुज़ुर्गों के पास दो मिनट बैठकर उनकी बात सुनें, उनका हाल-चाल पूछें। जिस व्यक्ति के सिर पर माँ-बाप का साया है, वह धन्य है। घर में बड़े बुज़ुर्गों का होना बहुत सौभाग्य माना जाता है और माँ-बाप की सेवा करने वाली सन्तान श्रेष्ठ। बच्चे को माता-पिता से आशीर्वाद माँगना नहीं पड़ता, अपने आप हृदय से मिल जाता है और माँ-बाप के हृदय से निकले हुए इस आशीष की कोई समानता नहीं है।

बड़ी विडंबना का समय है पाश्चात्य सभ्यता के प्रभाव के कारण आज के युवा माँ-बाप को नमन-वन्दन करने में लजाते हैं,जब कि कोई बच्चा व युवा जब अपने माता-पिता, दादा-दादी अथवा सद्गुरु के चरणों में शीष झुकाता है, तो उनके दिल में आनन्द की हिलोर उठने लगती है और तेजरूपी प्रकाश की किरणें विनर्म्होते ही चरणों में झुके सुपुत्र, सदशिष्य के अन्दर प्रवेश कर जाती हैं। जिसके प्रतिफलस्वरूप उस युवा को आयु, विद्या, यश और बल की प्राप्ति होती है। ये चारों अनमोल उपहार किसी अन्य कीमत एवं किसी अन्य स्थान से प्राप्त नहीं हो सकते। इनका केन्द्र तो माता-पिता, वृद्धजन एवं गुरुजन ही हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि बुज़ुर्गों की सेवा का फल बहुत मीठा हैं, जब कोई बुज़ुर्ग निशब्द तुम्हारे झुके सिर पर अपनी कंपकंपाती उंगलियां फ़िरा दें समझो वरदान ख़ुशी और आशीर्वाद एक साथ मिला!!! बड़े बुज़ुर्गों माता पिता की सेवा तुल्य कोई पुण्य नहीं जीवन का सुख इनके श्री चरणों में है। (-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

(चिंतन-मनन)

उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी।

अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई।

सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया।

सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को ऍसे मिटाया जाता है? क्या अंधेरा ऍसे मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

विचार मंथन

ईरान के जवाबी हमले से घबराया इजराइल, नेतन्याहू बंकर में

(लेखक- सनत जैन)

ईरान और इजराइल के बीच युद्ध तेज हो गया है, यह टकराव इतिहास में एक नया अध्याय लिखने जा रहा है। इजराइल ने ईरान पर सुनयोजित रूप से कई परमाणु ठिकानों पर हमले किए। रिफाइनरी, एयरबेस, न्यूक्लियर ठिकानों से लेकर रेजिडेंशियल इलाकों मे इजराइल ने ईरान के कई इलाकों में भारी तबाही मचाई थी। जैसे ही रात का अंधेरा फैला, ईरान ने इजरायल के ऊपर जवाबी कार्रवाई की। ईरान के हमले से इजराइल कांप उठा। इजराइल को इस तरह के हमले की जरा भी उम्मीद नहीं थी। खासकर हाइफा पर हुए मिसाइल हमलों ने इजरायल के आर्थिक और सैन्य ढांचे को हिलाकर रख दिया। हाइफा पर भारत के अडानी समूह का नियंत्रण है। जहां इजराइल की सबसे बड़ी रिफाइनरी और प्रमुख पोर्ट स्थित हैं। हाइफा मे अब चारो ओर आग धधक रही है। पूरा हाईफा आग में झुलस रहा है। इससे अडानी समूह को भारी नुकसान हुआ है। वहीं इजराइल को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। ईरान ने पहली बार हाइपरसोनिक मिसाइल का प्रयोग किया। जिससे इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम की नाकामी उजागर हो गई है। इस हमले में इजरायल की कई इमारतें धराशायी हो गईं हैं। सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। इजराइल के सभी क्षेत्रों में भय का माहौल देखने को मिल रहा है। इन हमलों से घबराए प्रधानमंत्री नेतन्याहू बंकर में जाकर छिप गये है। ईरान के जवाबी हमले इजराइल के लिए यह स्पष्ट संकेत है। ईरान के साथ यह लड़ाई अब आसान नहीं है। इजराइल कई वर्षों से हिजबुल्ला, हमास जैसे संगठनों से लड़ता आया है। ईरान का यह जो जवाबी हमला था, उसके सामने अब इजरायल पहली बार असहज हो गया है। अभी तक यह माना जाता था कि इजराइल का मुकाबला करने की स्थिति किसी के पास नहीं है। इजराइल के पास बाहरी हमलो को रोकने और दूसरे देशों में हमले करने की जो तकनीकी है। उसका कोई भी देश मुकाबला नहीं कर सकते हैं। ईरान के इस हमले से यह धारणा अब टूट गई है। अमेरिका की 7.4 अरब डॉलर की आपात मदद और मिसाइल आपूर्ति के बावजूद इजराइल के लिए यह युद्ध अब आसान नहीं रहा। चीन और रूस का खुला समर्थन ईरान को मिल रहा है। जिससे यह टकराव वैश्विक राजनीतिक लड़ाई में बदलता जा रहा है। भारत ऐतिहासिक रूप से ईरान का सहयोगी रहा है। भारत और ईरान के बीच हजारों वर्ष पुराने संबंध हैं। इस युद्ध में कूटनीतिक रूप से भारत निष्क्रिय और असमंजस की स्थिति में दिखाई दे रहा है। भारत की चुप्पी और ईरान से दूरी, चीन को मध्य-पूर्व में ताकतवर शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है। भारत को समझना होगा, संतुलित और गुटनिरपेक्ष विदेश नीति ही भारत की पहचान रही है। वर्तमान में भारत का इजरायल के प्रति एकतरफा झुकाव न केवल भारत की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाएगा। हमारी क्षेत्रीय भूमिका को भी वैश्विक स्तर पर कमजोर करेगा। इसका फायदा चीन उठा रहा है। जरूरत इस बात की है, भारत स्पष्ट रुख अपनाए। वर्तमान में अमेरिका और इजरायल जिस तरह से एकजुट होकर सारी दुनिया के देशों को धमका रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से सारी दुनिया के देशों को टैरिफ बार के जरिए कंट्रोल करना चाहते थे। उसको लेकर अमेरिका का विरोध सारी दुनिया में बढा है। अमेरिका के मुकाबले चीन सबसे सशक्त भूमिका में नजर आने लगा है। पिछले दो दशक में चीन ने बिना किसी विवाद में पड़े, अपने व्यापार और कारोबार को तेजी के साथ बढ़ाया है। एशियाई देशों में समझौते के माध्यम से बहुत बड़े भूभाग पर चीन ने कब्जा किया है। चीन आर्थिक सामरिक और कूटनीति मे बड़ा शक्तिशाली हुआ है। भारत ही एक ऐसा देश है जो चीन के मुकाबले में खड़ा हो सकता है। चीन की कोशिश हमेशा भारत को आगे बढ़ने से रोकने की होती है। डोनाल्ड ट्रंप जिस तरीके की दादागिरी कर रहे हैं। उसको रोकने के लिए अब चीन और रूस जैसे शक्तिशाली देश ईरान के समर्थन में आकर खड़े हो गए हैं। जिसके कारण ईरान की स्थिति मजबूत हुई है। भारत की ईरान को लेकर चुप्पी, इजराइल के प्रति असाधारण प्रेम, पिछले दो वर्षों से फिलिस्तीन पर इजराइल के हमले से लाखों लोगों की मौत पर भारत की अनदेखी से भारत वैश्विक मंच पर बहुत कमजोर हुआ है। भारत के अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंध खराब हुए हैं। ईरान जैसे देश के साथ हमारे वह रिश्ते नहीं रहे, जो पहले थे। युद्ध के खिलाफ, मानवता और कूटनीति का संतुलन भारत को हमेशा विशिष्ट बनाता रहा है। कुछ वर्षों में भारत वैश्विक स्तर पर काफी कमजोर हो गया है। चीन का प्रभाव बड़ी तेजी के साथ बढा है। ऐसी स्थिति में भारत को अपनी विदेश नीति, पड़ोसियों के साथ संबंध तथा दो सांड़ों की लड़ाई में भारत को कैसे सुरक्षित रखना है। इसके लिए सोच समझकर निर्णय लेने होंगे। चुप्पी साधने से कोई मामला हल नहीं होगा। जिस तरह की वैश्विक स्थितियां बन रही हैं उसमें तीसरे विश्व युद्ध की आशंका व्यक्त की जाने लगी है।

एसबीआई कंजम्पशन ऑपर्च्युनिटीज फंडः अच्छे रिटर्न के साथ सर्वश्रेष्ठ फंडों में से एक

मुंबई ।

एसबीआई कंजम्पशन ऑपर्च्युनिटीज फंड, जिसे पहले एसबीआई एफएमसीजी फंड के नाम से जाना जाता था, ने विभिन्न अवधियों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिष्ठिता सिद्ध की है। इस फंड ने पिछले 26 वर्षों में 15.5 फीसदी का औसत वार्षिक रिटर्न देकर निवेशकों को खुश किया है। फंड का मुख्य उद्देश्य लॉन्ग टर्म कैपिटल ग्रोथ हासिल करना है और इस में भारती एयरटेल, मारुति सुजुकी, जुबिलेंट फूडवर्क्स, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, और गणेश इकोस्पायर जैसे टॉप होल्डिंग्स हैं। फंड का सेक्टोरल एलोकेशन भी दृढ़ है, जिसमें उपभोक्ता विवेकाधीन क्षेत्रों में 46 फीसदी का निवेश किया जाता है। इसके बारे में अधिक जानकारी प्रदान करने के लिए एसबीआई कंजम्पशन ऑपर्च्युनिटीज फंड के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विश्वसनीयता भी बढ़ाती है। फंड ने लंबी अवधि में निवेशकों के लिए सुविधाजनक रिटर्न प्रदान किया है और उन्हें अच्छा मुनाफा उठाने का अवसर दिया है। निवेशकों के लिए यह एक विकल्प हो सकता है जो दुनियाभर में उपभोक्ता गुड्स और सर्विसेज सेगमेंट में निवेश करना चाहते हैं।

मालदीव और भारत के बीच 40 करोड़ डॉलर अदला-बदली से विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा

माले ।

मालदीव में एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है, जो विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने में मददगार साबित हो सकता है। भारत और मालदीव के बीच हुई 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर की मुद्रा अदला-बदली के बाद सरकार ने इसे स्वीकार किया है। इस समझौते ने मालदीव की सीसी रेटिंग की पुष्टि कर दी है। भारतीय उच्चायोग ने इस समझौते की सराहना करते हुए कहा कि यह मालदीव के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि लाने में सहायक साबित होगा। इस अनुबंध के तहत 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर का लेन-देन हुआ, जिससे मालदीव को आर्थिक मजबूती मिल सकती है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) और मालदीव मौद्रिक प्राधिकरण (एमएमए) के बीच इस मुद्रा अदला-बदली के बारे में अक्टूबर 2024 को एक समझौता हुआ था। यह अनुबंध मालदीव के लिए फिच क्रेडिट रेटिंग द्वारा उल्लिखित बाहरी नकदी तनाव को कम कर सकता है। इस समझौते के माध्यम से, भारत और मालदीव के बाहरी भंडारों में सुधार होने की संभावना है, जिससे दोनों देशों को आर्थिक सुरक्षा मिल सकती है। यह समझौता भारत और मालदीव के बीच मजबूत आर्थिक मित्रता का संकेत हो सकता है।

नेपाल ने भारतीय पारेषण लाइन से बांग्लादेश को बिजली निर्यात शुरू किया

काठमांडू ।

नेपाल ने भारतीय पारेषण लाइन के जरिये बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली का निर्यात शुरू कर दिया है। नेपाल, भारत और बांग्लादेश ने तीन अक्टूबर, 2024 को नेपाल द्वारा उत्पादित बिजली को भारतीय पारेषण लाइन के जरिये बांग्लादेश को निर्यात करने के लिए एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। नेपाल के एक अधिकारी ने बताया कि बांग्लादेश को बिजली का निर्यात शनिवार आधी रात से शुरू हो गया है। समझौते के मुताबिक, नेपाल 15 जून से 15 नवंबर तक 40 मेगावाट बिजली का निर्यात करेगा। यह बिजली भारत की 400 केवी की मुजफ्फरपुर-बहरामपुर-भेरामारा पारेषण लाइन के जरिये बांग्लादेश को भेजी जाएगी। नेपाल और बांग्लादेश के बीच हुए द्विपक्षीय समझौते के मुताबिक, नेपाल प्रत्येक बिजली यूनिट के लिए 6.4 अमेरिकी सेंट लेगा। बांग्लादेश ने अगले पांच साल तक नेपाल से बिजली आयात करने पर सहमति जताई है।

हीरो फिनकॉर्प ने आईपीओ पूर्व दोर में 260 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली ।

हीरो मोटोकॉर्प की वित्तीय सेवा इकाई हीरो फिनकॉर्प ने अपने नए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पूर्व नियोजन दौर में 260 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इससे नए निर्गम का आकार 2,100 करोड़ रुपये से घटकर 1,840 करोड़ रुपये रह गया है। अब कुल आईपीओ 3,408 करोड़ रुपये है। इसमें मौजूदा निवेशकों की ओर से 1,568 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। पहले आईपीओ का कुल आकार 3,668 करोड़ रुपये था। कंपनी को मई में आईपीओ के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी मिली थी। आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार, नए शेयरों की बिक्री से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कंपनी का पूंजी आधार बढ़ाने के लिए किया जाएगा, ताकि भविष्य की कर्ज गतिविधियों के लिए कोष की जरूरतों को पूरा किया जा सके।

अमेरिका ने आव्रजन नीतियां ठीक से लागू नहीं कीं : जेपी मॉर्गन

न्यूयॉर्क ।

जेपी मॉर्गन चेस के चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेमी डिमन ने योग्यता आधारित आव्रजन के लिए समर्थन जताते हुए कहा है कि अमेरिका ने आव्रजन नीतियों को ठीक से लागू नहीं किया है। उन्होंने कहा` कि अमेरिका अपरिहार्य है। यह अपरिहार्य नहीं है क्योंकि हम बेहतर हैं। यह अपरिहार्य है क्योंकि हमारे पास दुनिया की सबसे अच्छी सेना है, दुनिया का सबसे समृद्ध राष्ट्र है, दुनिया की सबसे अच्छी अर्थव्यवस्था है, सबसे अच्छी प्रौद्योगिकी है, उस प्रौद्योगिकी की जड़ें हैं, हमारे पास जो आजादी हैं। यही वह है जो लोगों को यहां खींच कर लाया है। उनकी टिप्पणी पिछले सप्ताह सैन फ्रांसिस्को में डेटा प्लस एआई समिट-2025 में डेटाब्रिक्स के सीईओ और सह-संस्थापक अली घोडसी के साथ बातचीत के दौरान आई। डिमन ने कहा` कि अमेरिका की भूमिका अपरिहार्य है। वह भूमिका आर्थिक है, वह सैन्य है, वह शिक्षा है, वह लोगों को यहां आने, यहां रहने की इच्छा रखने, और अधिक योग्यता की अनुमति दे रही है। यही सबसे महत्वपूर्ण बात है।

भारत के पर्यटन उद्योग विकास में तेजी से विदेशी मुद्रा आय में भी वृद्धि की संभावनाः रिपोर्ट

- भारत एक प्रीमियम वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है

नई दिल्ली । भारतीय पर्यटन उद्योग के विकास में तेजी से बढ़ोतरी के साथ-साथ विदेशी मुद्रा आय में भी काफी वृद्धि की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में विदेशी मुद्रा आय दर बढ़ी है और यह दर 2030 तक 4.5 लाख करोड़ को पार कर सकती है। इस बढ़ती दर से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में पर्यटन का हिस्सा भी सात प्रतिशत से अधिक हो सकता है। भारत में पर्यटन के विकास से न केवल रोजगार की स्थिति मजबूत हो रही है, बल्कि अर्थव्यवस्था में भी सकारात्मक प्रभाव दिख रहा है। पर्यटन मंत्रालय के अनुसार भारतीय पर्यटन शीर्ष देशों में एक प्रमुख स्थान हासिल कर रहा है और मानव समृद्धि विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के पर्यटन क्षेत्र के इस विकास से ग्राहक और उद्योग दोनों ही फायदा उठा रहे हैं। आगामी वर्षों में इस क्षेत्र में नए यात्रा रुझान उभरकर आ रहे हैं, जो इनोवेटिव ट्रैवल बिजनेस के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रहे हैं। इसके साथ ही, सरकार के पर्यटकों के समर्थन के प्रयास से भारत एक प्रीमियम वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। साथ ही पर्यटन उद्योग में प्रौद्योगिकी के संचालन से ग्राहकों को अधिक सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं, जिससे उनकी संतुष्टि में वृद्धि हो रही है। आने वाले समय में सभी सेवाएं पूरी तरह से बहाल होने से पर्यटन क्षेत्र की आर्थिक स्थिति में और भी सुधार हो सकता है।

ईरान-इजरायल संघर्ष, अमेरिकी केंद्रीय बैंक के निर्णय से तय होगी बाजार की दिशा

- वैश्विक बाजार का रुख और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर भी निवेशक नजर रखेंगे

मुंबई ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की दिशा ईरान-इजरायल संघर्ष, ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों, मुद्रास्फीति के आंकड़ों और अमेरिकी केंद्रीय बैंक के ब्याज दर पर निर्णय से तय होगी। विश्लेषकों ने कहा है कि शुल्क से जुड़ी खबरें भी स्थानीय शेयर बाजार की चाल को प्रभावित कर सकती है। वैश्विक बाजार का रुख और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर भी निवेशक नजर रखेंगे। पिछले सप्ताह शेयर बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच बाजार नुकसान के साथ बंद हुआ। बाजार में जोखिम से बचने की भावना दिखाई दी। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और आपूर्ति में अड़चन की आशंका से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। बाजार के जानकारों ने कहा कि इजरायल-ईरान संघर्ष के बीच पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बाद भारतीय शेयर बाजारों का रुख वैश्विक बाजारों से तय होने की संभावना है। बाजार में निराशा देखने को मिल सकती है, जिससे निवेशक जोखिम वाली संपत्तियों से दूरी बना सकते हैं। इसके अलावा कारोबारी बुधवार को फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय से पहले सतर्कता बरतेंगे। जापान और ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक भी अपनी ब्याज दरों की अलग-अलग घोषणा करेंगे। उन्होंने कहा` कि आगे की ओर देखें तो ऊंचे मूल्यांकन और भू-राजनीतिक जोखिमों के बीच निवेशक सतर्कता बरतेंगे। अब सभी की नजरें आगामी फेडरल रिजर्व की बैठक पर है। भविष्य के नीतिगत संकेतों के लिए फेडरल रिजर्व की टिप्पणी और आर्थिक अनुमान पर सभी की नजर रहेगी। बाजार के एक अन्य जानकार कहते हैं` कि आगामी दिनों में भू-राजनीतिक अनिश्चितता और केंद्रीय बैंक की महत्वपूर्ण बैठकों के बीच बाजार में उतार-चढ़ाव रहने की आशंका है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आगामी नीतिगत निर्णय पर कड़ी नजर रखी जाएगी। घरेलू मोर्चे पर मानसून की प्रगति, कच्चे तेल की कीमतों के रुझान, थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों और एफआईआई की गतिविधियों पर सभी का ध्यान रहेगा। कुल मिलाकर, हम उम्मीद करते हैं कि कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण बाजार में सुस्ती बनी रहेगी, जबकि उद्योग आधारित खबरों से विभिन्न क्षेत्रों की गतिविधियां प्रभावित होंगी।

वैश्विक बाजारों में सुधार से घरेलू तेल तिलहन के भाव तेजी के साथ बंद

– सरसों दादरी तेल का थोक भाव 250 रुपए बढ़कर 14,150 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में खाने के तेल के भाव में तेजी देखने को मिल रही है, जिसका सीधा असर घरेलू तेल-तिलहन बाजार में देखा जा रहा है। पिछले सप्ताह सोयाबीन तिलहन को छोड़कर बाकी सभी तेल-तिलहनों की कीमतें पिछले सप्ताहांत के मुकाबले सुधार के साथ बंद हुए। शिकॉगो एक्सचेंज में 13 जून को सोयाबीन डीगम तेल के भाव में 56 डॉलर प्रति टन की बढ़ोतरी होने के बाद वहां बाजार में ऊपरी सर्किट लगाना पड़ा। इसके बाद डीगम के दाम में हुई बढ़ोतरी के असर से बाकी सभी तेल-तिलहन के दाम में तेजी देखी गई। घरेलू बाजार में भी सोयाबीन के दाम में मजबूती आई है, इसके अलावा सरसों, मूंगफली जैसे अन्य तेल-तिलहन के दाम भी मजबूत हो गए हैं। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये के सुधार के साथ 6,725-6,775 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 250 रुपये के सुधार के साथ 14,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश- 15-15 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 2,485-2,585 रुपये और 2,485-2,620 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। इसके साथ ही सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन के भाव मजबूत बंद हुए हैं। सीपीओ तेल का दाम भी मजबूती के साथ 14,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसमें पामोलीन, पामोलीन एक्स कांडला तेल, बिनौला तेल के भाव भी बढ़े हैं। सूत्रों के मुताबिक इसमें सोयाबीन, मूंगफली और अन्य तेल-तिलहनों के भाव मजबूत बदलाव देखने को मिल रहा है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने लॉन्च किया एक नया वैरिएंट स्कॉर्पियो-एन जेड4

- जेड4 पेट्रोल ऑटोमेटिक की कीमत 17.39 लाख रुपए

नई दिल्ली । महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी प्रसिद्ध एसयूवी, स्कॉर्पियो-एन का एक नया वर्शन, जेड4 ऑटोमेटिक लॉन्च किया है। यह नया वैरिएंट जेड2 के ऊपर प्रस्थापित किया गया है और इसके आने से स्कॉर्पियो-एन की ऑटोमैटिक वेरिएंट की कीमत में कमी आई है। जेड4 मॉडल में पहले सिर्फ मैनुअल गियरबॉक्स उपलब्ध था, लेकिन अब इसमें पेट्रोल और डीजल इंजन ऑप्शन के साथ 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन भी शामिल है। जेड4 पेट्रोल ऑटोमेटिक की कीमत 17.39 लाख रुपये है, जबकि डीजल ऑटोमेटिक की कीमत 17.86 लाख रुपये है। इस अपडेट से पहले स्कॉर्पियो-एन में ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का ऑप्शन डीजल में जेड6 वेरिएंट और पेट्रोल में जेड8 सेलेक्ट वैरिएंट में था। नए जेड4 ऑटोमेटिक मॉडल की कीमत में दोनों वर्जनों में भारी कटौती हुई है। भारतीय बाजार में इसकी प्रतियोगिता है टाटा हैरियर और सफारी, जबकि इस कीमत में ह्युंडई क्रेटा और किया सेल्टोस भी शामिल है। स्कॉर्पियो-एन की पेट्रोल वेरिएंट में टर्बोचार्ज्ड इंजन है जो 203 एचपी पावर और 370 एनएम पीक टॉर्क उत्पन्न करता है। इसके खिलाफ, डीजल वेरिएंट में द्व॥ड्ड2द्म इंजन है जो मैनुअल गियरबॉक्स के साथ 175 एचपी और 370एनएम पीक टॉर्क उत्पन्न करता है, जबकि ऑटोमैटिक वेरिएंट में 400 एनएम का टॉर्क होता है।

सेंसेक्स की शीर्ष आठ कंपनियों का मार्केट कैप 1.65 लाख करोड़ घटा

– शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली । पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में सुस्ती के रुख के बीच सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,65,501.49 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सिर्फ टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। सप्ताह के दौरान एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 47,075.97 करोड़ रुपये घटकर 14,68,777.88 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 30,677.44 करोड़ रुपये घटकर 10,10,375.63 करोड़ रुपये पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 21,516.63 करोड़ रुपये घटकर 19,31,963.46 करोड़ रुपये रही। वहीं भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 18,250.85 करोड़ रुपये घटकर 7,07,186.89 करोड़ रुपये रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के बाजार पूंजीकरण में 16,388.4 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह घटकर 5,44,893.71 करोड़ रुपये पर आ गया। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 15,481.22 करोड़ रुपये घटकर 10,50,413.33 करोड़ रुपये रहा। एलआईसी की बाजार हैसियत 13,693.62 करोड़ रुपये घटकर 5,93,379.66 करोड़ रुपये पर आ गई। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 2,417.36 करोड़ रुपये घटकर 5,80,052.09 करोड़ रुपये रहा। इस रुख के विपरीत टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 22,215.06 करोड़ रुपये बढ़कर 12,47,190.95 करोड़ रुपये हो गया।

अमेरिका में बिकने वाले 97 फीसदी आईफोन भारत में बने

- मई महीने में ही भारत से क़रीब 1 बिलियन डॉलर के आईफोन अमेरिका भेजे गए

नई दिल्ली ।

एपल ने अमेरिका में बिकने वाले अपने आईफोन की विपरीत स्थिति में सततता बनाए रखने के लिए भारत में नेटवर्क को मजबूत कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मार्च से मई 2025 के बीच, भारत से जितने भी आईफोन एक्सपोर्ट किए गए, उनमें से 97 फीसदी अमेरिका को भेजे गए हैं। एपल ने इन आईफोन को अमेरिका के लिए भारत में बनाने का निर्णय लिया है। ताजा आंकड़ों के अनुसार सिर्फ मई महीने में ही भारत से क़रीब 1 बिलियन डॉलर के आईफोन अमेरिका भेजे गए हैं। इससे पता चलता है कि एपल अब अमेरिकी बाजार के लिए भारत में आईफोन की मानवाहन कर रही है। डोनाल्ड ट्रम्प ने 23 मई को कहा था कि यदि एपल अमेरिका में आईफोन नहीं बनाती, तो उस पर 25 फीसदी का टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर एक ट्वीट में इसकी धमकी दी थी, जिसमें उन्होंने एपल के सीईओ टिम कुक को भी इस बारे में सूचित किया था। इससे पहले भारतीय बाजार में बिकने वाले 50 फीसदी आईफोन को अमेरिका भेजा जाता था। यह नया क़दम दरअसल एपल के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह कंपनी को ट्रम्प की डाकू पॉलिसी का सामना करने के लिए उसकी आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की जरूरत है।

ब्याज दरों में कटौती के बाद हुआ निवेशकों का भरोसा मजबूत

नई दिल्ली ।

विदेशी निवेशकों का भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा ब्याज दरों में कटौती के बाद भरोसा मजबूत हुआ। यही वजह हैक कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में 3,346.94 करोड़ रुपए का निवेश किया।

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई सप्ताह के पहले तीन कारोबारी सत्रों, 9 जून से 13 जून के दौरान भारतीय इक्विटी बाजार में सक्रिय खरीदार रहे। बाजार में सकारात्मक माहौल मुख्य रूप से आरबीआई द्वारा रेपो दर को 50 आधार अंकों से घटाकर 5.5 प्रतिशत करने के फैसले से जुड़ा था, जिसे कई लोगों ने आर्थिक विकास को समर्थन देने और बाजार में लिक्विडिटी में सुधार के स्पष्ट संकेत के रूप में देखा।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि ब्याज दरों में इस आश्चर्यजनक कटौती ने विदेशी निवेश को आकर्षित करने में बड़ी भूमिका निभाई है, क्योंकि यह केंद्रीय बैंक के विकास समर्थक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

6 जून को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के निर्णय का निवेशकों ने स्वागत किया है। निवेशकों ने इसे अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और कॉर्पोरेट आय में सुधार के लिए समय पर उठाया गया महत्वपूर्ण कदम माना। एक ओर जहां वैश्विक कारक बाजार की गतिविधियों को प्रभावित करना जारी रखते हैं, वहीं दूसरी ओर भारत अपनी मजबूत बुनियादी बातों, नीति समर्थन और बढ़ती अर्थव्यवस्था के कारण विदेशी निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना हुआ है।

विदेशी निवेशकों ने मई में भारतीय शेयर बाजार में 19,860 करोड़ रुपए निवेश किए, जिससे यह विदेशी निवेश के लिए साल का अब तक का सबसे अच्छा महीना बन गया। इस बीच, बाजार विश्लेषकों के अनुसार, इस सप्ताह भारतीय इक्विटी बाजार में उतार-चढ़ाव देखा गया और यह आखिरी कारोबारी दिन लाल निशान पर समाप्त हुआ।

हालांकि सप्ताह की शुरुआत अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में प्रगति के कारण सकारात्मक रही, लेकिन इजरायल द्वारा ईरान की न्यूक्लियर साइट्स पर हमले करने के बाद यह आशावाद जल्दी ही खत्म हो गया। इस घटना ने वैश्विक निवेशकों के बीच सतर्कता की लहर पैदा कर दी, जिससे वे सोने और अमेरिकी बॉन्ड जैसी सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर बढ़ गए।

बोइंग ने अहमदाबाद विमान हादसे के बाद चीन को 787-9 विमान दिया

- बोइंग और जुनयाओ एयरलाइंस ने इस डिलीवरी पर टिप्पणी करने से किया इनकार

वाशिंगटन ।

अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के दो दिन बाद अमेरिकी विमान निर्माता कंपनी बोइंग ने चीन को एक नया 787-9 विमान सौंपा। इससे पहले अहमदाबाद में बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जिसमें 275 लोगों की मौत हुई थी। चीनी मीडिया के अनुसार बोइंग और जुनयाओ एयरलाइंस ने इस डिलीवरी पर टिप्पणी करने से इनकार किया है। इसके बाद 9 जून को शियामेन एयरलाइंस के लिए भी एक बोइंग 737 मैक्स विमान चीन पहुंचा। मई में चीन ने विमान खरीदी पर लगाई थी रोक एक महीने पहले चीन ने अपनी एयरलाइन कंपनियों को बोइंग से नए विमानों की डिलीवरी नहीं लेने के आदेश दिए थे। चीनी सरकार ने यह आदेश अमेरिका के 145 फीसदी टैरिफ के जवाब में दिया था। अमेरिका में बनने वाले विमान के पार्ट्स की खरीद रोकने का आदेश भी दिया था। हाल ही में दोनों देशों के बीच लंदन में दो दिन की बातचीत हुई, जिसमें टैरिफ दरों पर एक समझौता हुआ। बोइंग के लिए चीन एक महत्वपूर्ण बाजार कोरोना महामारी से पहले, बोइंग के लगभग एक तिहाई 737 विमान देश में डिलीवर किए जा रहे थे।

बोइंग के अनुमान के अनुसार अगले दो दशकों में चीन ग्लोबल एयरप्लेन डिमांड का 20 फीसदी हिस्सा होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

17 जून से क्रिकेट में होंगे बड़े बदलाव, आईसीसी ने कर दी घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने पुरुषों के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए खेल की परिस्थितियों में बड़े बदलावों की घोषणा की है। टेस्ट मैचों के लिए 17 जून, वन-डे इंटरनेशनल (ODI)के लिए 2 जुलाई और टी20 इंटरनेशनल के लिए 10 जुलाई को नियम परिवर्तन लागू किए जाएंगे। इन बदलावों की सिफारिश ICC पुरुष क्रिकेट समिति ने की थी और रिपोर्ट के अनुसार मुख्य कार्यकारी समिति ने इन्हें मंजूरी दी थी। मुख्य अपडेट में ODI में गेंदों के इस्तेमाल के बारे में एक नया नियम और कन्कशन सब्सटीट्यूट के लिए एक अपडेटेड प्रोटोकॉल शामिल है।

वनडे मैचों में 34 ओवर के बाद सिर्फ एक गेंद का इस्तेमाल

अब तक वनडे में दोनों छोर से दो नई गेंदों का इस्तेमाल किया जाता रहा है। लेकिन नए नियम के तहत 34वें ओवर के बाद बदलाव होगा। पारी की शुरुआत से लेकर 34वें ओवर के अंत तक दो गेंदों का इस्तेमाल किया जाएगा, दोनों छोर से एक-एक। हालांकि 35वें ओवर से लेकर पारी के अंत तक, गेंदबाजी टीम द्वारा दो में से केवल एक गेंद का चयन किया जाएगा और दोनों छोर से उसका इस्तेमाल किया जाएगा। अगर मैच शुरू होने से पहले 25 ओवर या उससे कम का हो जाता है, तो शुरू से केवल एक नई गेंद का इस्तेमाल किया जाएगा। बल्लेबाजी और गेंदबाजी के बीच बेहतर संतुलन लाने के लिए ICC ने यह बदलाव किया है।

सभी प्रारूपों में कन्कशन रिप्लेसमेंट के लिए नए नियम

ICC ने कन्कशन सब्सटीट्यूट नियम को भी संशोधित किया है ताकि इसे और अधिक संरचित बनाया जा सके और मैचों के दौरान किसी भी तरह की उलझन से बचा जा सके। अब से टीमों को खेल शुरू होने से पहले मैच रेफरी को पांच संभावित सब्सटीट्यूट खिलाड़ियों की सूची सौंपनी होगी। इस सूची में प्रत्येक विशिष्ट भूमिका के लिए एक खिलाड़ी, एक बल्लेबाज, एक विकेटकीपर, एक तेज गेंदबाज, एक स्पिनर और एक ऑलराउंडर शामिल होना चाहिए।

यह बदलाव हाल के मैचों में कुछ विवादास्पद क्षणों के बाद आया है। उदाहरण के लिए इस साल जनवरी में भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ एक टी20आई मैच के दौरान बल्लेबाजी ऑलराउंडर शिवम दुबे की जगह गेंदबाजी ऑलराउंडर हर्षित राणा को शामिल किया था। राणा ने तीन विकेट लिए जिससे इस तरह के प्रतिस्थापन की निष्पक्षता के बारे में बहस छिड़ गई।

नया नियम ऐसी स्थितियों को रोकेगा क्योंकि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि केवल समान विकल्प की अनुमति दी जाए। यदि नामित कन्कशन विकल्प भी घायल हो जाता है, तो मैच रेफरी मूल पांच में से किसी एक प्रतिस्थापन को मंजूरी दे सकता है, लेकिन केवल तभी जब वह उसी खेल भूमिका से मेल खाता हो।

इन बड़े बदलावों के अलावा ICC मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (MCC) से एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण अपडेट भी अपना रहा है। 'बनी हॉप' नियम के तहत क्षेत्ररक्षक सीमा के बाहर से कूदकर हवा में कैच ले सकते थे, अब ऐसा कैच अमान्य होगा। इसका उद्देश्य कैच को साफ-सुथरा बनाना और यह सुनिश्चित करना है कि आउट निष्पक्ष और स्पष्ट रूप से सीमा के भीतर हों।

युवा तेज गेंदबाज मार्को ऑलराउंडरों में हो सकते हैं शुमार: पोंटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के युवा तेज गेंदबाज मार्को जेनसन भविष्य में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ऑलराउंडरों में शुमार हो सकते हैं। यह मानना है ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और आईसीसी हॉल ऑफ फेमर रिकी पोंटिंग का। पोंटिंग ने कहा कि जेनसन के पास गेंद और बल्ले दोनों से कमाल करने की काबिलियत है और वे अपने करियर के शुरुआती दौर में ही प्रभावशाली प्रदर्शन कर रहे हैं। पोंटिंग ने जेनसन को नजदीक से तब देखा जब वे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोचिंग के दौरान उनके साथ जुड़े।

उन्होंने कहा कि जेनसन लंबी कद-काठी वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन उनकी तकनीकी क्षमता और मानसिक संतुलन उन्हें खास बनाते हैं। लॉर्ड्स में चल रहे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले दिन जेनसन ने ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को बुरी तरह झकझोर दिया। उन्होंने 14 ओवर में 49 रन देकर तीन अहम विकेट झटके, जिनमें मार्नस लैबुशेन और ट्रैविस हेड जैसे बल्लेबाज शामिल थे। दूसरे दिन उंगली में चोट लगने के बावजूद जेनसन मैदान पर लौटे और एक बार फिर लाबुशेन को 22 रन पर आउट कर यह दिखा दिया कि उनमें खेल के प्रति जबरदस्त जज्बा है। पोंटिंग ने कहा कि वह बेहद शांत स्वभाव के हैं और मैदान पर उतरने के बाद उनमें एक मजबूत प्रतिस्पर्धा की भावना नजर आती है, जो उन्हें खास बनाती है। आईपीएल 2025 में जेनसन ने पंजाब किंग्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने विकेट भी चटकाए और जरूरत के समय उपयोगी रन भी बनाए।

भारत में उनके खेल को देख पोंटिंग को जेनसन की प्रतिभा पर भरोसा हो गया और उन्हें यह उम्मीद है कि वे आने वाले वर्षों में टेस्ट क्रिकेट के सबसे प्रभावशाली ऑलराउंडरों में शामिल होंगे। पोंटिंग ने अंत में कहा कि जेनसन अभी करियर की शुरुआत में हैं, लेकिन उनमें वह सब कुछ है जो किसी खिलाड़ी को महान बनाता है। वहीं, जेनसन ने भी पोंटिंग से मिली सीख को बेहद कीमती बताया और कहा कि उन्होंने खासकर मानसिक रूप से सकारात्मक सोचने की कला सीखी है। जेनसन के अनुसार, पोंटिंग हमेशा अच्छा देखने और सोचने की प्रेरणा देते हैं, जो उन्हें मैदान पर स्थिर और आत्मविश्वासी बनाए रखती है।

सौरव गांगुली की गिल को सलाह... बुमराह का इस्तेमाल विकेट टेकर के रुप में करे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में जसप्रीत बुमराह की फिटनेस को बेहतर बनने के लिए भारतीय गुट को सलाह दी है। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास लेने के बाद शुभमन गिल के नेतृत्व में टीम नए दौर की शुरुआत करेगी। भारतीय टीम ने आगामी सीरीज के लिए तैयारी शुरू कर दी है। पूर्व कप्तान गांगुली ने कहा है कि गिल को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान बुमराह को बतौर विकेट टेकर इस्तेमाल करना चाहिए।

गांगुली ने कहा, आपको देखना होगा और एक दिन में बुमराह से 12-13 ओवर से ज्यादा गेंदबाजी नहीं करने देनी है। गिल को बुमराह को इसतरह से इस्तेमाल करना चाहिए। मुझे लगता है कि चार तेज गेंदबाज महत्वपूर्ण हैं। यहां, दूसरों को सिराज, अर्शदीप जैसे योद्धाओं की जरूरत होगी। नितीश या शार्दुल ठाकुर के बारे में निश्चित नहीं हूं। शायद वे बल्ले से कुछ रन बना सकें, लेकिन मुझे लगता है कि भारत को सात बल्लेबाजों का साथ देना चाहिए और विशेषज्ञ गेंदबाजों की जरूरत है, क्योंकि हमें टेस्ट मैच जीतने के लिए 20 विकेट चाहिए।

6 माह बाद लाल गेंद से मैच खेलने वाले बुमराह को कई स्पैल में गेंदबाजी करने और अपनी फिटनेस को परखने का मौका मिलेगा। भारतीय चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने टीम की घोषणा के दौरान बताया था कि मेडिकल टीम से मिले परामर्श के अनुसार 31 वर्षीय बुमराह सभी पांच टेस्ट मैचों में नहीं खेलने वाले है। पांच मैचों की इस टेस्ट सीरीज का आगाज 20 जून को लीड्स में होगा।

इंग्लैंड सीरीज के लिए भारत की टेस्ट टीम- शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उप-कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

भूटिया ने फुटबॉल महासंघ के प्रमुख कल्याण के आरोपों को खारिज किया

कोलकाता (एजेंसी)। दिग्गज फुटबॉलर और भारतीय टीम के पर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) प्रमुख कल्याण चौबे में आजकल घमासान छिड़ा है। एएफसी एशियाई कप क्वालिफाइंग दौर के मैच में हांगकांग के हाथों भारतीय टीम की हार के बाद जहां भूटिया ने एआईएफए प्रमुख पर भारतीय फुटबॉल को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए कहा था कि वह अपना पद छोड़ दें। वहीं इसके बाद कल्याण ने भी पलटवार करते हुए भूटिया पर

अपने स्वार्थ के लिए व्यावसायिक अकादमियां चलाने का आरोप लगाया है। जिन्हें भूटिया ने खारिज कर दिया है। कल्याण ने कहा कि वह अपने नाम से एक व्यावसायिक फुटबॉल स्कूल चलाते हैं। वह 20 अलग अलग शहरों में हैं। इस फुटबॉल स्कूल में खिलाड़ी 1000 से एक लाख रुपये तक का भुगतान करते हैं। उनसे एक हजार से 10000 रुपये तक महीना लिया जाता है। चौबे भूटिया फुटबॉल स्कूल का जिक्र कर रहे थे जिसकी देश भर में कई अकादमियां हैं। एआईएफएफ अध्यक्ष ने कहा कि ये पूरी तरह से निहित स्वार्थ है पूरी तरह से व्यावसायिक है। वे परिवारों की भावनाओं, लोगों की भावनाओं के साथ खेलकर लाभ उठा रहे हैं। लोग सोचते हैं कि उस

व्यक्ति ने भारतीय फुटबॉल को उच्चतम स्तर पर पहुंच बनाई है और अगर मैं उनकी अकादमी का हिस्सा बन सकता हूं तो मैं भी एक अच्छा फुटबॉल खिलाड़ी बन जाउंगा जो सही नहीं है। वहीं भूटिया ने चौबे के आरोप को खारिज करते हुए कहा कि चौबे को इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि अकादमी कैसे चलाई जाती है। उन्होंने कहा है कि उन्होंने अपने फुटबॉल स्कूल अपनी मेहनत की कमाई से खोले हैं। इसके लिए उन्होंने राज्यों, केंद्र और कॉरपोरेट्स से कोई पैसा नहीं लिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि, पिछले दो सालों में बच्चों की मदद के लिए केवल कुछ ही प्रायोजक आए हैं। देश भर में मेरे स्कूलों में हर दिन 6000 से ज्यादा बच्चे खेलते हैं।फीस को लेकर जो आंकड़ा कल्याण ने बताया है वह सही नहीं है। फीस उतनी ही ली जाती है जिससे कि कोच का वेतन और मैदान का शुल्क दिया जा सके ।

गौतम गंभीर की अनुपस्थिति में भारत को अस्थायी रूप से मिला नया मुख्य कोच

बेंगलुरु । गौतम गंभीर अपनी मां को दिल का दौरा पड़ने के बाद भारत लौट आए हैं। उम्मीद है कि वे 20 जून तक वापस आ जाएंगे जिस दिन बर्मिंघम में भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट मैच शुरू होगा। ऐसे में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण गौतम गंभीर की अनुपस्थिति में भारतीय क्रिकेट टीम की देखरेख करेंगे। फिलहाल शुभमन गिल की अगुवाही वाली टीम इंडिया बेकेनहैम में 4 दिवसीय इंट्रा-स्क्वाड मैच खेल रही है। लक्ष्मण पहले से ही इंग्लैंड में मौजूद हैं और गंभीर के इंग्लैंड लौटने तक उनकी भूमिका संभालेंगे। लक्ष्मण वर्तमान में भारत की अंडर-19 टीम की देखरेख कर रहे हैं जिसमें आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी जैसे सितारे हैं। अंडर-19 टीम को 17 जून से 23 जुलाई तक इंग्लैंड अंडर-19 टीम के खिलाफ 7 मैच खेलने हैं। इसका मतलब है कि लक्ष्मण की इंग्लैंड में मौजूदगी टीम इंडिया के साथ ही हुई। लक्ष्मण पहले भी अस्थायी तौर पर भारत के मुख्य कोच के तौर पर काम कर चुके हैं और एनसीए, इंडिया ए और अंडर-19 टीम के प्रमुख के तौर पर ज़्यादातर खिलाड़ियों के साथ काम कर चुके हैं, इसलिए सीनियर इंडिया टीम की देखरेख करना लक्ष्मण के लिए कोई समस्या नहीं होगी।

हमने सवाल उठाने वालों को करारा जवाब दिया : बावुमा

लंदन । दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के कप्तान टेम्बा बावुमा ने लॉर्ड्स में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली जीत पर खुशी मनाने हुए कहा है कि हमारी टीम ने उन लोगों को करारा जवाब दिया है जो हमपर संदेह करते थे। बावुमा के अनुसर कई लोगों ने उनकी टीम के फाइनल में पहुंचने पर सवाल उठाये थे1 उनका कहना था कि टीम कमजोर विरोधियों को हराकर फाइनल तक पहुंची है1 मजबूत और भावनात्मक संदेश भेजा जिन्होंने उनके शिखर मुकाबले के रास्ते पर सवाल उठाए थे। बावुमा ने कहा '' एक टीम के रूप में हमने अपने को फाइनल में पहुंचाया। माना जाता है कि हमने कमजोर टीमों को हराया। यह उनके लिए है जो हम पर संदेह करते हैं। सवाल उठाने वालों ने निचली रैंकिंग वाली टीमों के खिलाफ उनकी जीत की ओर संकेत किया था पर उनकी टीम ने जीत के साथ ही करारा जवाब दिया। अंतिम दिन 278 रनों का पीछा करते हुए और लाल गेंद के क्रिकेट के सबसे बड़े मंच पर एक ऑस्ट्रेलियाई जैसी टीम को हराया। एडेन मारर्करम ने इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार शतक लगाया। बावुमा ने अपने साथी बल्लेबाज मारर्करम की तारीफ की और कहा उनकी पारी अविश्वसनीय थी। आंकड़े महत्वपूर्ण हैं, लेकिन हम चरित्र को देखते हैं और वह एडेन में है। हमारे लिए एक और बेहतरीन खिलाड़ी। कप्तान ने स्टार तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा की भी जमकर प्रशंसा की । जिन्होंने फाइनल से पहले आलोचनाओं के घेरे में आने के बाद दूसरी पारी में शानदार गेंदबाजी करके मैच का रुख ही पलट दिया।

खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर कोच मोर्कल ने जताया संतोष

लंदन (एजेंसी)। भारत-इंग्लैंड के बीच 20 जून से प्रारंभ हो रहे पांच टेस्ट मुकाबले से पूर्व भारतीय खिलाड़ी ट्रेनिंग सेशन में जमकर पसीना बहा रहे हैं। ट्रेनिंग सेशन के दौरान टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर संतोष जताया है।

गेंदबाजी कोच ने इस बात पर जोर दिया है कि अभ्यास के साथ-साथ मैदान पर निरंतरता इंग्लैंड में महत्वपूर्ण होगी। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर मोर्ने मोर्कल का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें मोर्कल ने कहा, अब तक के दो दिवसीय अभ्यास में, परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल थीं। यह बल्लेबाजों के लिए एक परीक्षा थी, जो एक तरह से उन्हें आने वाले समय के लिए तैयार होने में भी मदद करती है। मुझे नहीं लगता कि विकेट में उतनी जान होगी, जितना हमने यहां अनुभव किया है।उन्होंने आगे कहा, बल्ले

और गेंद के बीच कशमकश काफी अच्छी रही है, लेकिन मुझे लगता है कि यह केवल इसलिए है क्योंकि विकेट में थोड़ी-सी जान है। जैसे ही विकेट सपाट हो जाता है, गेंदबाज पीछे हट जाते हैं। मैं उन्हें बताऊंगा कि केवल तब आक्रामकता दिखाएं, जब विकेट में बाउंस हो। जब विकेट सपाट हो, तब हमें अपना कैरेक्टर दिखाना होगा। गेंदबाजी कोच ने कहा, मुझे लगता है कि इंग्लैंड में निरंतरता महत्वपूर्ण है। जब हम अभ्यास करते हैं तो निरंतरता होती है। मैदान के बाहर निरंतरता होती है। यह जानना होता है कि एक खिलाड़ी के तौर पर आपके लिए क्या बेहतर होगा। हमारे पास बहुत विविधता है, हमारे आक्रमण में विविधता है, अलग-अलग स्किल्स वाले खिलाड़ी हैं, इसलिए वे ऐसा कर सकते हैं और फिर भी बुनियादी बातों को अच्छी तरह से लागू कर सकते हैं।

मोर्कल ने कहा, कुल मिलाकर, अब तक की शुरुआत से खुश हूं। हम जिस तरह से लाल गेंद से नहीं खेले हैं, उसे देखते हुए मैं थोड़ा नर्वस था, लेकिन पिछले तीन दिनों में खिलाड़ियों की ट्रेनिंग देखना सुखद है। हमारे पास एक शानदार टीम है, ऊर्जा है, आपको इसकी जरूरत है। आपको टेस्ट सीरीज में आत्मविश्वास के साथ खेलने और टीम भावना रखने की जरूरत है। बता दें कि इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज के साथ भारतीय टीम 2025-27 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत करने जा रही है।

तमिलनाडु प्रीमियर लीग में एक गेंद पर तीन बार रनआउट का मौका हाथ से निकला

चेन्नई । यहां जारी तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) 2025 के एक मैच में एक अनूठा वाकया सामने आया। यहां डिंडीगुल ड्रैगन्स और मदुरै पैंथर्स के बीच मैच में एक ही गेंद पर तीन बार रन आउट का मौका निकल गया। इस दौरान यहां अंपायर और बल्लेबाज तक हंसने लगे। इसका एक विडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इस मुकाबले में हालांकि डिंडीगुल ने मदुरै को नौ विकेट से हरा दिया। इस मैच में डिंडीगुल ड्रैगन्स के तेज गेंदबाज गणेशन पेरियास्वामी की वाइड यॉर्कर गेंद को गुरजपनीत सिंह ने कवर्स में मारा। डिंडीगुल के कप्तान रविचंद्रन अश्विन, जो कवर्स पर खड़े थे, ने गेंद को उठाया और नॉन-स्ट्राइकर एंड की तरफ फेंका पर पेरियास्वामी गेंद को नहीं पकड़ पाए। इससे मदुरै के बल्लेबाजों रन के लिए दौड़ पड़े। अश्विन के थ्रो के बाद डीप स्क्वायर लेग फील्डर ने गेंद को पकड़ा और स्ट्राइकर एंड की ओर फेंका जिसे इस बार विकेटकीपर बाबा इंदिराजीत पकड़ नहीं पाये। उसके बाद एक और थ्रो किया उसे भी पकड़ा नहीं जा सका। इस प्रकार डिंडीगुल ने एक ही गेंद पर तीन रनआउट के अवसर खो दिये।

स्मिथ को वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज तक फिट होने की उम्मीद

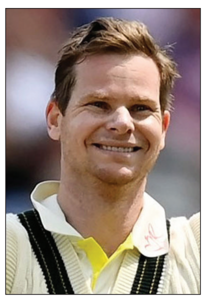

लंदन । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को उम्मीद है कि वह वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज तक फिट हो जाएंगे। स्मिथ को आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान उंगुली में चोट लग गयी थी। स्मिथ को ये चोट कैच लेने के प्रयास में लगी इसी कारण उन्हें तीसरे दिन के खेल के दौरान अपनी दाहिनी छोटी उंगली में डिस्लोकेशन के बाद अस्पताल ले जाया गया था। भेजा गया। स्मिथ के लिए रिकवरी काफी अच्छी रही है और उन्हें सर्जरी की जरुरत नहीं पड़ी। अब उनके वेस्टइंडीज के खिलाफ 25 जून से शुरू होने वाली आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलने की संभावना है। स्मिथ ने कहा, मैं अब आठ सप्ताह तक स्प्लिंट में रहूंगा और शायद कुछ सप्ताह में मैं इसके साथ खेल सकूं। यह मेरी कार्यक्षमता और मैं क्या कर सकता हूं, इस पर निर्भर करेगा। स्मिथ ने कहा, गेंद मेरे हाथ में ठीक से नहीं गई और सौभाग्य से वहां कोई फ्रैक्चर नहीं था और यह सिर्फ त्वचा को चीरती हुई और खिसकती हुई चली गई जिससे मैं उस समय काफी दर्द महसूस कर रहा था। इस ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि हाल ही में उत्तरी लंदन के प्रसिद्ध स्थल पर मैचों को याद करते हुए अब उनके मन में मिश्रित भावनाएं हैं। उन्होंने कहा, अब इस जगह के साथ मेरा प्यार और नफरत का रिश्ता है। यहां मेरी कुछ अच्छी यादें हैं और कुछ अच्छी नहीं भी हैं। 2019 में जोफ्रा (आर्चर) की गेंद पर मेरे सिर पर चोट लगी थी और अब कल यहां भी मेरी उंगली टूट गई। लेकिन यह क्रिकेट खेलने के लिए एक शानदार जगह है और मैंने यहां इसका आनंद ।

ऑस्ट्रेलियाई कोच मैकडॉनल्ड ने टीम में बदलाव के संकेत दिये

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूसीसी) फाइनल में अपनी टीम की हार पर निराशा जतायी है। कोच ने कहा कि अब नये डब्ल्यूसीसी चक्र में टीम बदलावों के साथ उतरेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम लॉर्ड्स की दूसरी पारी में बल्लेबाजी में विफल रही थी। मार्नस लाबुशेन को उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत के लिए भेजा गया था जिससे वापसी कर रहे कैमरून ग्रीन को तीसरे नंबर पर उतारा जा सके पर ये प्रयोग विफल रहा। लाबुशेन रन बनाने में असफल रहे। उनके अलावा ख्वाजा और ग्रीन भी अधिक देर नहीं टिक पाये। मैकडॉनल्ड ने कहा, इस टेस्ट मैच से पहले पारी की शुरुआत को लेकर काफी बात हुई थी और मैं ओपनिंग संयोजन की जरूरत के बारे में बात कर रहा था। हमने वहां कुछ बदलाव किये पर अब समय आ गया है कि किसी को स्थायी तौर पर रखा जाये। हमको यह कहना होगा कि इस टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका बेहतर था। हमें उन सुधारों पर ध्यान देना होगा जो हमें करने की आवश्यकता है। इसमें कोई संदेह नहीं है। इस सत्र में लाबुशेन का औसत सिर्फ 27.82 रहा है, और ऐसे में उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली सीरीज में शायद ही जगह मिले। मैकडॉनल्ड ने जोर देकर कहा कि वह टीम के भविष्य का एक बड़ा हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, उस उम्र में टेस्ट क्रिकेट में 45, 46 का औसत रखने वाला कोई भी खिलाड़ी महत्वपूर्ण है। हमारे पास ऐसे पुराने खिलाड़ी हैं जो शुरुआत की तुलना में अंत के करीब हैं। हमारे पास कुछ युवा खिलाड़ी हैं जो आ रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर वह अगले 4 से 5 सालों तक अपने खेल को अच्छे क्रम में रख सकता है, तो वह उस बल्लेबाजी क्रम को मजबूत कर सकता है हालांकि इस बार वह बड़े स्कोर बनाने से रह गया है पर हमें विश्वास है कि वह अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर वापस आ सकता है और इसलिए हम उसे टीम में रखते हैं।

सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन का बड़ा कदम, नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा में बनाएगा 50 मैदान

दंतेवाड़ा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ का दंतेवाड़ा नक्सल प्रभावित जिले के ठप्पे को खत्म कर रहा है और स्थानीय प्रशासन की अनोखी पहल की बदौलत खेल केंद्र के रूप में अपनी नई पहचान बना रहा है। प्रशासन की इस पहल को महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के फाउंडेशन का समर्थन प्राप्त है। जिले में नक्सलियों का प्रभाव धीरे-धीरे कम हो रहा है इसलिए प्रशासन ने मान देशी फाउंडेशन और सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन के साथ मिलकर 'मैदान कप' की शुरुआत की है। इसके तहत दंतेवाड़ा में खेल संस्कृति और प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए 50 खेल के मैदान विकसित किए जाएंगे।

दंतेवाड़ा के कलेक्टर कुणाल दुदावत ने बताया, ''इस परियोजना के तहत सामुदायिक भागीदारी से अब तक जिले में कम से कम 20 खेल के मैदान विकसित किए गए हैं और अक्टूबर तक लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा।' पिछले साल राज्य सरकार ने बस्तर क्षेत्र के दंतेवाड़ा और छह अन्य जिलों की खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए बस्तर ओलंपिक 2024 का आयोजन किया था।

दुदावत ने कहा कि इसका उद्देश्य नक्सल प्रभावित और संवेदनशील जिलों की खेल प्रतिभाओं को खेलों के माध्यम से दुनिया से जोड़ना था। उन्होंने कहा, 'इसी तर्ज पर हमने सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन और मान देशी फाउंडेशन के सहयोग से खेल प्रतिभाओं को और बढ़ावा देने के लिए बच्चों और युवाओं को समर्पित खेल के मैदान उपलब्ध कराने के लिए मैदान कप शुरू करने का फैसला किया।'

दुदावत ने कहा कि पहले चरण में 50 गांवों में इतने ही खेल के मैदान विकसित किए जाएंगे और अगले चरण में इसे पूरे जिले में दोहराया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि 13 विभिन्न खेलों की सुविधाओं के साथ 20 खेल के मैदान विकसित किए गए हैं जिनमें रनिंग ट्रैक, गोला फेंक, भाला फेंक, चक्का, लंबी कूद, वॉल क्लाइंबिंग आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन स्वयं भी खेल के मैदानों का निर्माण कर सकता था लेकिन विचार यह था कि युवाओं और बच्चों को आकर्षित करने के लिए समुदाय और सचिन तेंदुलकर जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों को इसमें शामिल किया जाए।

दुदावत ने कहा, 'लंबे समय में हम चाहते हैं कि अगला सचिन तेंदुलकर, नीरज चोपड़ा और पीटी उषा बस्तर से आएं।' अधिकारी ने कहा कि इस पहल के तहत अपने क्षेत्रों में खेल के बेहतरीन मैदान विकसित करने वाली पंचायतों को स्केटिंग पार्क से पुरस्कृत किया

जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन एक आवासीय खेल शहर भी बना रहा है जहां क्षेत्र के पदक जीतने की क्षमता वाले शीर्ष खिलाड़ियों को विशेष प्रशिक्षण मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस खेल शहर में क्रिकेट, फुटबॉल और हॉकी के मैदान, स्विमिंग पूल और अन्य खेल सुविधाएं होंगी।

रामायण कोई कहानी नहीं इतिहास है

रामायण एक आध्यात्म से जुड़ा इतिहास है इसमें भारतीय संस्कृति के अद्भुत गुण देखने को मिलते हैं और कहीं-कहीं आश्चर्यचकित कर देने वाली घटनाओं का वर्णन किया गया है।

रामायण में वर्णित रावण द्वारा श्रीलंका जाते समय पुष्पक विमान का मार्ग, उस मार्ग में कौन सा वैज्ञानिक रहस्य छिपा है। रावण ने पंचवटी (नासिक, महाराष्ट्र) से सीता का अपहरण किया और हम्पी (कर्नाटक), लेपाक्षी (आंध्र प्रदेश) के माध्यम से श्रीलंका पहुंचा। आश्चर्य होता है जब हम आधुनिक तकनीक से देखते हैं कि नासिक, हम्पी, लेपाक्षी और श्रीलंका एक सीधी रेखा में हैं। यह पंचवटी से श्रीलंका तक का सबसे छोटा मार्ग है। अब आप सोचते हैं कि उस समय कोई क्ष्धधद्दद्द मैप नहीं था जो सबसे छोटा रास्ता बताता हो। फिर, उस समय यह कैसे पता चला कि सबसे छोटा और सीधा मार्ग कौन सा है? या भारत के विरोधियों की संतुष्टि के लिए भी, मान लें कि रामायण केवल एक महाकाव्य है, जिसे वाल्मीकि ने लिखा था, तो मुझे बताएं कि उस समय भी कोई मानचित्र नहीं था, वाल्मीकि, जिन्होंने रामायण लिखा था, कैसे आए थे? पता है कि पंचवटी से श्रीलंका शॉर्ट कट है? वाल्मीकि ने सीता हरण के लिए केवल उन्हीं स्थानों का उल्लेख किया है, जो पुष्पक विमान का सबसे छोटा और सबसे सीधा मार्ग था। यह ठीक उसी तरह है जैसे 500 साल पहले गोस्वामी तुलसीदास जी को पता था कि पृथ्वी से सूर्य की दूरी कितनी है? (जुग सहस्त्र योजन पर भानु= 152 मिलियन किमी - हनुमानचालीसा), जबकि नासा ने इस दूरी का पता कुछ साल पहले ही लगाया था।

पंचवटी वह स्थान है जहां श्री राम, सीता और लक्ष्मण वनवास के दौरान रहे थे। यहीं पर शूर्पणखा आई और लक्ष्मण से शादी करने के लिए उपद्रव करने लगी। लक्ष्मण को शूर्पनखा की नाक काटने के लिए मजबूर किया गया था, अर्थात हम आज इस स्थान को नासिक (महाराष्ट्र) के रूप में जानते हैं। पुष्पक विमान में, सीता ने नीचे देखा और देखा कि एक पहाड़ की चोटी पर बैठे कुछ बंदर जिज्ञासा से ऊपर की ओर देख रहे थे, सीता ने अपने वस्त्र के कोर को फाड़ दिया और अपने कंगन बांध दिए और राम को ढूंढने में मदद करने के लिए उन्हें नीचे फेंक दिया। जिस स्थान पर सीता ने इन आभूषणों को वानरों के लिए फेंका था, वह 'ऋष्यमुक पर्वत' था जो हम्पी (कर्नाटक) में वर्तमान में स्थित है। इसके बाद, वृद्ध जटायु ने रोते हुए सीता को देखा, देखा कि एक दानव एक महिला को जबरन अपने विमान में ले जा रहा था। सीता को मुक्त करने के लिए जटायु ने रावण से युद्ध किया। रावण ने जटायु के पंखों को तलवार से काट दिया। इसके बाद, जब राम और लक्ष्मण सीता को खोजने के लिए पहुंचे, तो उन्होंने पहला पता दिया कि उस स्थान का नाम 'लेपाक्षी' (आंध्र प्रदेश) है।

यह महर्षि वाल्मीकि द्वारा लिखित एक सच्चा इतिहास है। जिसके सभी वैज्ञानिक प्रमाण आज उपलब्ध हैं। इसीलिए जब भी कोई वामपंथी हमारे इतिहास, संस्कृति, साहित्य को पौराणिक कथा कहकर या खुद को विद्वान बताकर लोगों को भ्रमित करने की कोशिश करता है, तो उसे पकड़कर उससे इन सवालों के जवाब मांगे। यकीन मानिए आप एक भी जवाब नहीं दे पाएंगे। इस सब में आपकी जिम्मेदारी कहां है? आपके हिस्से की जिम्मेदारी यह है कि जब आप टीवी पर रामायण देखते हैं, तो यह मत सोचिए कि कहानी चल रही है, बल्कि यह भी ध्यान रखें कि यह हमारा इतिहास है। इस दृष्टि से रामायण को देखें और समझें। इसके अलावा, हमारे बच्चों को यह दृष्टि देना आवश्यक है, यह कहते हुए कि बच्चों के लिए यह एक कहानी नहीं है, यह हमारा इतिहास है।

जनेऊ के जाने धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व

हिंदू धार्मिक शास्त्रों में जनेऊ को बहुत पवित्र माना जाता है। साथ ही यज्ञोपवीत संस्कार का बहुत अधिक महत्व दिया जाता है। बता दें कि जनेऊ संस्कार हिन्दू धर्म के प्रमुख 24 संस्कारों में से एक है। यह जनेऊ 'उपनयन संस्कार' के अंतर्गत आता है। तो वहीं हिंदू धर्म के अनुसार ये हर हिन्दू का कर्तव्य है कि, वो जनेऊ धारण करें और उसके नियमों का पालन करें। जनेऊ धारण करने के बाद ही द्विज बालक को यज्ञ तथा स्वाध्याय करने का अधिकार प्राप्त होता है।

क्या होता है जनेऊ

जेसूऊ सूत से बना एक पवित्र धागा होता है। जिसे मनुष्य बाएं कंधे के ऊपर और दाईं भुजा के नीचे पहनता है। इस जनेऊ के कई वैज्ञानिक महत्व भी है। तो आइए आपको बताते है जनेऊ के वैज्ञानिक महत्व और फायदों के बारे में

स्मरण शक्ति बेहतर- हर रोज जनेऊ कान पर रखने से स्मरण शक्ति बेहतर होती है। कान पर जेनऊ इसलिए कहा जाता है क्योंकि कान दबाव पड़ने से दिमाग की वे नसें खुल जाती हैं, जिनका संबंध स्मरण शक्ति से होता है।

रक्तचाप नियंत्रण- शौच के समय जनेऊ कान के पास रखने से जो नसें दबती हैं, उनसे रक्तचाप नियंत्रण में रहता है एक स्टेडी के मुताबिक ये बात सामने आई है कि शौच के समय जनेऊ कान के पास रखने का भी वैज्ञानिक आधार है, जैसा बताया गया है कि ऐसा करने से रक्तचाप नियंत्रण में रहता है।

हृदय रोग और ब्लडप्रेशर की परेशानी दूर- इस स्टेडी में ये बात भी सामने आई है कि जनेऊ पहनने वाले लोगों को हृदय रोग और ब्लडप्रेशर जैसी परेशानी खत्म हो जाती है। जनेऊ से शरीर में खून का प्रवाह सही तरीके से होता रहता है। आध्यात्मिक ही नहीं इसका वैज्ञानिक आधार भी है, जैसे रिसर्च के अनुसार बताया गया है कि जनेऊ पहनने से हृदय रोग और ब्लडप्रेशर जैसी सारी परेशानी समाप्त हो जाती है।

काला धागे बांधने के हैं फायदे बहुत

अक्सर देखा जाता हैं की घर में बच्चा जब जन्म लेता हैं तब बड़े बुजुर्ग उससे काला टीका, काला धागा लगाते पहनाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है काला धागा बांधने से कई अद्भुत फायदे भी होते है। बता दें कि ज्योतिष विज्ञान एवं लाल किताब के अनुसार काला धागे को विशेष स्थान दिया गया हैं। इन दोनों में इसे बाधंने को लेकर भी बात कहीं गई है। इसके अलावा ऐसा भी माना जाता है कि काले धागे को बांधने से सारी नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है और कई अन्य फायदें भी होते है। लेकिन इन सब में एक बात का खास ध्यान रखा जाना चाहिए कि काले धागे को शरीर में पहनने से पहले क्या-क्या सावधानी बरतें।

काला धागा बांधने के फायदे

काले धागें को बांधने से व्यक्ति को किसी की बुरी नजर नहीं लगती है। साथ ही ये काली शक्तियों से भी रक्षा करता हैं। शनिदेव का संबंध भी काले रंग से ही है। शनि को काले रंग का कारक माना जाता है। इसके अलावा काले रंग का धागा पहनने से व्यक्ति की कुडली का शनि मजबूत होता है और शनि प्रदोष से भी मुक्ति मिलती है।

आर्थिक लाभ

संकटमोचन हनुमान के दिन यानी मंगलवार को काला धागा धारण करना काफी शुभ माना जाता है। इस दिन काला धागा पहनने से आर्थिक जीवन सुखी होता है। घर में धन-समृद्धि का आगमन होता है। इस दिन खासकर दाहिने पैर में काला धागा बांधना शुभ माना जाता है।

सेहत के लिए फायदेमंद

सेहत के लिहाज से भी काला धागा काफी फायदेमंद है। अगर आपके पेट में दर्द रहता है तो व्यक्ति को अपने पैर के अंगूठे में इस धागे को बांध लेना चाहिए। इसके अलावा जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है उनके लिए भी काला धागा काफी फायदेमंद है। इसे व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।

काला धागा पहनने से पहले बरतें ये सावधानियां

काले धागे को अभिमंत्रित करने के बाद ही धारण करें।
धारण करने से पहले इस बारे में किसी योग्य ज्योतिष की सलाह ले।
इस धागें को बांधने वाले व्यक्ति को रुद्र गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए।
मंत्र - ऊँ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात
शरीर के जिस हिस्से में काला धागा बांध रहे हैं वहां कोई ओर अन्य रंग का धागा न धारण करें। शनिवार के दिन काला धागा बांधना शुभ होता है।

आर्थिक समस्या को दूर करने के लिए करें ये उपाय

घर में सुख सम्रद्धि धन के लिए वास्तु को बहुत खास माना जाता हैं। वास्तुशास्त्र के अनुसार वास्तु के उपायों को करने से घर में सकारात्मकता ऊर्जा प्रवेश करती है जबकि नकारात्मकता ऊर्जा दूर हो जाती है। साथ ही ऐसा माना जाता है कि वास्तुदोषों के कारण जीवन में कई तरह की समस्याएं आने लगती हैं जिससे मनुष्य के बनते काम बिगड़ने लगते है। काम में रूकावट आने लगती है। तो आज हम आपको बताने जा रहे है। ऐसे उपाय जिससे आपके सभी कार्य आसानी से हो जाएंगे और जीवन से सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी। साथ ही धन संबंधी समस्या से भी मुक्ति मिल जाएगी। मनी प्लांट-घर में वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट में रखने से अनेक फायदे होते हैं। घर में मनी प्लांट रखने से घर की सारी नकारात्मकता ऊर्जा शक्ति दूर हो जाती है और घर का वातावरण सकारात्मक माहौल बनने लगता है। मनी प्लांट को घर में लाने से रूपए पैसे की समस्याएं भी दूर होने लगती हैं। लेकिन इसके साथ ही कुछ ऐसी बातें भी है जो ध्यान में रखना जरूरी है।

मनी प्लांट की दिशा- वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में मनी प्लांट लाने के बाद उसे दक्षिण या पूर्व दिशा में रखना चाहिए। इस दिशा में रखा मनी प्लांट घर के वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश कराता है। साथ ही मान्याताओं के अनुसार इस दिशा का कारक शुक्र ग्रह है और शुक्र ही बेल वाले पौधों का कारक भी कहा जाता है, इसलिए इस दिशा में मनी प्लांट लगाना बहुत शुभ माना जाता है।

पानी में रखें- वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को पानी में रखना शुभ माना जाता है। साथ ही इस बात का खास ध्यान रखें कि पौधे का पानी बदलते रहे,समय-समय पर।

बेल को जमीन पर न आने दें -वास्तुशास्त्र के घर में लगाए मनी प्लांट को जमीन पर न फैलने दें, इसकी बेल को ऊपर की ओर बढ़ने देना चाहिए। वो शुभ होता है।

खराब पत्ते- वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को हमेशा हरे पत्तों के साथ हरा- भरा रहना शुभ माना जाता है। अगर इसके पत्ते खराब हो रहे हैं, तो उन्हें तुरंत हटा दें।

बर्बादी का रास्ता क्रोध

रामचरितमानस मे भी है जिक्र

आजकल देखा जाता है कि किसी को कभी भी बहुत जल्दी क्रोध आ जाता है। जोकि सही नहीं हैं। क्रोध के दुष्प्रभाव जीवन पर काफी बुरा पड़ता हैं। इसकी वजह से जीवन तक बर्बाद हो सकता है। कई बार गुस्से के कारण बना बनाया काम खराब हो जाता है। व्यक्ति में क्रोध आ जाए तो उसे सबसे दूर कर देता है और इंसान बिलकुल अकेला रह जाता है। तो साथ ही बता दें कि सबसे बड़े हिंदू ग्रंथ में भी इस बात का जिक्र है कि कोध्र व्यक्ति के लिए अच्छा नहीं है, क्रोध व्यक्ति के विनाश का कारण बनता है। तो आइए आपको बताते है क्रोध को लेकर रामचरितमानस मे क्या कहा गया है-

क्रुद्धः पापं न कुर्यात कः क्रृद्धो हन्यात गुरूनपि ।
क्रुद्धः परुषया वाचा नरः साधूनधिक्षिपेत
कः क्रुद्धः पापं न कुर्यात, क्रृद्धः गुरून अपि हन्यात,
क्रुद्धः नरः परुषया वाचा साधन अधिक्षिपेत ।

तुलसीदास जी ने कहा है कि जो व्यक्ति क्रोध करता है उस व्यक्ति पापकर्म अधिक करना पड़ता है। पुण्य वाले काम करने से वो काफी दूर रहता है। क्रोध में ही व्यक्ति बड़े छोटे का लिहाज नहीं करता और बड़े एवं पूज्य जनों तक को मार डालता है। साथ ही ऐसा व्यक्ति अशब्दों का अधिक उपयोग करता है और साधुजनों की भी कोई इज्जत नहीं करता। अगर व्यक्ति अपने क्रोध पर काबू नहीं पाता तो वो व्यक्ति अपने आपको बर्बाद कर देगा। क्रोध स्वास्थ्य पर भी काफी हद तक नुकसान पहुचता है। विज्ञान के अनुसार अधिक क्रोध करने से ब्लड प्रेशर काफी हद तक बढ़ जाता है। क्रोध से मनुष्य को मानसिक परेशानियां हो जाती है। क्रोध मनुष्य के जीवन को अस्त व्यस्त कर देता है। क्रोध के कारण रिश्तों में कड़वाहट आने लग जाती है। गुस्से में बोला गया हर एक शब्द सांप के जहर जैसा जहरीला होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार में मुफ्त बिजली और डोमिसाइल लागू करेंगे: तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पाल समाज के महासम्मेलन में शामिल हुए। पाल समाज की ओर से तेजस्वी यादव को प्रतीक के तौर पर भेड़ भेंट की गई। वे स्टेज पर ही भेड़ को घुमाते नजर आए। इस मौके पर तेजस्वी यादव ने अपनी भविष्य की योजनाएं साझा करते हुए कहा कि 200 यूनिट बिजली मुफ्त में दी जाएगी। 100 प्रतिशत डोमिसाइल नीति लागू की जाएगी। बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था में सुधार होगा।इस दौरान उनके साथ वरिष्ठ नेता मंगनी लाल मंडल और सांसद संजय यादव भी मौजूद रहे। यादव ने कहा कि आपलोगों का समर्थन लालू जी को मिला, वही प्यार और सम्मान हमें भी मिला है। आपने जो ऋण दिया है, उसे हम जरूर चुकाएंगे। नीतीश जी हमारे चाचा हैं। लेकिन, उन्होंने सभी पर ऋण चढ़ा दिया है। अब उन पर उम्र का असर साफ दिखने लगा है। उन्होंने कहा कि अब राज्य की जिम्मेदारी हम लेंगे और समाज की मांगें हमारी जिम्मेदारी बन गई हैं।

तेजस्वी ने सम्मेलन में वादा किया कि उनकी सरकार बनते ही पाल समाज को राजनीतिक भागीदारी दी जाएगी। एक आयोग का गठन किया जाएगा, जो समाज की समस्याओं और मांगों पर काम करेगा। बीजेपी आरक्षण खत्म करना चाहती है। आरक्षण की सीमा बढ़ाई। लेकिन, बीजेपी ने हमेशा दलितों और अति पिछड़ों को नौकरी में नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने बीजेपी को आरक्षण चोर पार्टी करार दिया। उन्होंने कहा कि बिहार को देखकर पीड़ा होती है। 20 साल से नीतीश मुख्यमंत्री हैं, 11 साल से मोदी प्रधानमंत्री हैं, लेकिन गरीबों और बेरोजगारों की कोई सुनवाई नहीं हो रही। महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि अब तो महिलाएं भी सुरक्षित नहीं हैं।

तेजस्वी ने कहा कि जब वे सत्ता में थे, तो बहाली करवाई लेकिन बीजेपी को ये पच नहीं रहा। वे आरएसएस के स्कूलों में पढ़े हैं, इसलिए आरक्षण और सामाजिक न्याय के विरोधी हैं। महंगाई को लेकर उन्होंने स्मृति ईरानी पर तंज कसते हुए कहा कि पहले गैस के दाम बढ़ने पर सड़कों पर आती थीं, आज महंगाई उन्हें भौजाई लग रही है। तेजस्वी ने आगे कहा कि जब मैंने नौकरी दी तो क्या वह जंगलराज था? अस्पतालों में छापा मारा, तो क्या वो गुनाह था? निवेश लाया तो क्या गलत किया? उन्होंने पूछा कि बीते 20 वर्षों में सरकार ने क्या किया? तेजस्वी की उम्र भले ही कच्ची हो, लेकिन जुबान पक्की है। अभी सत्तर-पचहत्तर तक राजनीति करेंगे। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि बिहार में अपराध बढ़े हैं। मुख्यमंत्री को उपमुख्यमंत्री का नाम तक पता नहीं है। सरकार अचेत अवस्था में हैं गाड़ी 15 साल बाद खटारा हो जाती है तो 20 साल पुरानी सरकार को क्यों मौका दें? लालू यादव पर बीजेपी के आरोपों पर तेजस्वी ने कहा कि बीजेपी ने लालू प्रसाद पर डॉ. अंबेडकर के अपमान का झूठा आरोप लगाया है।

ईरान से युद्ध के बीच इजरायल में हाई-अलर्ट पर भारतीय दूतावास

नई दिल्ली । ईरान से जारी भीषण युद्ध के बीच इजरायल के तेल अवीव में मौजूद भारतीय दूतावास हाई-अलर्ट पर है। शनिवार को दूतावास ने एक चौबीसों घंटे चलने वाली आपातकालीन हेल्पलाइन स्थापित की और उसके साथ ही भारतीय नागरिकों को लगातार चौकन्ने रहने का परामर्श जारी किया गया। यह जानकारी भारतीय दूतावास ने अपनी एक एक्स पोस्ट के जरिए दी। जिसमें बताया कि हम लगातार उभरते हुए हालातों पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। जिसमें भारत के नागरिकों की सुरक्षा भी शामिल है। अगर किसी को कोई आपातकालीन सहायता चाहिए तो 24×7 हेल्पलाइन नंबर 97254-7520711, 97254-3278392 और जारी ईमेल के जरिए संपर्क में बने रहें।

दूतावास ने अपने परामर्श में भारतीयों को यह भी हिदायत दी है कि वो इजरायल के अधिकारियों और होम फ्रंट कमांड द्वारा बताए जा रहे सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें। यहां बता दें कि दूतावास की तरफ से इजरायल द्वारा ईरान पर की गई ऑपरेशन राइजिंग लायन की कार्रवाई के बाद भी ऐसा ही एक परामर्श जारी किया गया था। जिसमें कहा गया था कि भारतीय नागरिक सतर्कता बरतें और देश यानी इजरायल के अंदर अनावश्यक यात्रा करने से बचें। साथ ही नागरिकों को सुरक्षा ठिकानों के करीब रहने की हिदायत भी दूतावास द्वारा दी गई थी। इजरायल ने ईरान पर तड़के 13 जून को किए गए हमले में उसके परमाणु, मिसाइल और सैन्य ठिकानों पर हमला बोला था। जिसमें ईरान के कई शीर्ष सैन्य अधिकारी मारे गए थे। ईरान ने इजरायल के खिलाफ ड्रोन से बड़ा हमला किया। जिसमें लगभग तीन लोगों की जान चली गई और दर्जनों घायल हो गए हैं। दोनों देशों के बीच तनाव फिलहाल चरम पर है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत की है।

बुरहानपुर के दंपति ने बना डाला हूबहू ताजमहल, वायरल हुआ वीडियो

बुरहानपुर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर का एक बुजुर्ग कपल उन ज्यादातर लोगों में शामिल है, जो ताजमहल को शहंशाह का दिखावा नहीं बल्कि मोहब्बत की निशानी मानते हैं। इस जोड़े ने अपनी मोहब्बत की निशानी को सदियों तक जिंदा रखने के लिए अपना खुद का ताजमहल बना डाला। इस जोड़े का अपने ताजमहल जैसे घर के चारों तरफ का दौरा करते हुए एक वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में लोग कपल की खूब तारीफ भी कर रहे हैं। बुरहानपुर के रहने वाले आनंद प्रकाश चौकसे और उनकी पत्नी अंजलि ने यह घर बनाया है। यहां एक स्कूल के अंदर संगमरमर से बना यह घर 4 बीएचके है। इस घर को ताजमहल की छोटी प्रति के रूप में बनाया गया है। इंस्टाग्राम और कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहे इस वीडियो को प्रियम सारस्वत नाम के यूजर ने पोस्ट किया है। वायरल पोस्ट में सारस्वत कपल से पूछ रहे हैं कि क्या ताजमहल जैसा दिखने वाल घर वाकई उनका है, तो दंपति जवाब देते हुए कहते हैं कि हां, यह घर उन्हीं का है, जिसे ताजमहल की छोटी प्रतिकृति के रूप में बनाया गया है। इस दौरान वो ताजमहल जैसे बने अपने घर के बारे में प्रियम सारस्वत से बताते हैं बुरहानपुर के कपल ने ताजमहल जैसे दिखने वाले घर के बारे में बताया कि इसे मकराना संगमरमर से बनाया गया है। उन्होंने कहा कि ताजमहल की मीटर की माप को इस घर में फीट में बदल दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह घर ताजमहल के मुकाबले तीन गुना छोटा है। प्यार की निशानी के रूप में बनाया गया यह घर संगमरमर की गुंबदों, नक्काशीदार खंभों और मेहराबदार दरवाजों के साथ पहले से बने हुए एक स्कूल के अंदर बनाया गया है। इस वायरल वीडियो की सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है।

पत्नी के निधन के 3 दिन बाद कथा करने पहुंचे मोरारी बापू का विरोध, बोले– सूतक में ठीक नहीं

वाराणसी (एजेंसी)। कहते हैं जब लालच मन में होता है तो रीति-रिवाज ओर परंपराओं को भी ठेंगा दिखा दिया जाता है। कथावाचक मुरारी बापू पर भी कुछ इसी तरह के आरोप लग रहे हैं। बापू की मानस सिंदूर कथा से पहले ही काशी में विवाद शुरू हो गया है। पत्नी के निधन के 3 दिन बाद रामकथा के लिए काशी पहुंचे मोरारी बापू का विरोध शुरू हो गया है। सूतक में बाबा विश्वनाथ का स्पर्श दर्शन करने और व्यासपीठ से रामकथा का काशी का शंकराचार्य, संत समाज, काशीतीर्थ पुरोहित और वैष्णव संतों में आक्रोश है। इस पूरे मामले अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने अपनी बात रखी। कहा– सूतक काल में कथा वाचक मोरारी बापू का कथा कहना घोर निंदनीय है। उन्हें इस काल में राम कथा नहीं कहनी चाहिए। उन्होंने धर्म से ऊपर उठकर अर्थ की कामना से इस तरह का कृत्य करना गलत है। ये समाज के लिए निंदनीय है।

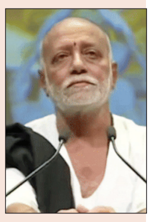

इससे पहले उन्होंने यह जानते हुए भी कि 32 प्रकार की अग्नि होती है, उन्होंने चिता की अग्नि के सामने फेरे डलवाए थे। व्यास पीठ पर बैठकर अल्लाह-मौला करना उचित नहीं। मंगल का अमंगल से कनेक्शन जोड़ते हैं। वहीं मोरारी बापू का कहना है कि वह वैष्णव साधु हैं और उन पर यह नियम लागू नहीं होता है। रविवार को रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में रामकथा के दूसरे दिन मोरारी बापू ने दो मत के भेद को बताया। उन्होंने कहा– बहुत से शब्द ऐसे हैं जिसका मत अलग-अलग होता है। तुलसी दास ने सिंदूर तो कहीं संदूर शब्द का भी प्रयोग किया है। उन्होंने कहा-काशी में लोग विद्वान हैं। उनको मैं प्रणाम करता हूं। स्वामी जितेंद्रानंद ने सवाल उठाए कि ब्रह्मनिष्ठ, ब्रह्मचारी और राजा को सूरत नहीं लगता, तो मोरारी बापू को बताना चाहिए वो किसमें आते हैं? सिर्फ संन्यास परंपरा में ही जीवित खुद का पिंडदान करता है। मोरारी बापू समाज को धोखा न दें, धर्म को धंधे में न बदलें, यही बेहतर होगा।

महाराष्ट्र में दोहराया गया सोनम कांड, पति की बेरहमी से हत्या, दो महीने तक घर में पड़ा रहा शव

नासिक (एजेंसी)। । मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के सोनम रघुवंशी मामले की चर्चा इस समय पूरे देश में हो रही है। इंदौर के राजा और सोनम रघुवंशी मेघालय में हनीमून पर थे, वहीं सोनम और उसके प्रेमी ने राजा रघुवंशी की हत्या कर दी। अभी यह मामला ताजा ही है कि महाराष्ट्र के नासिक में भी ऐसी ही खौफनाक घटना सामने आई है। यहां पत्नी ने अपने पति की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी और उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए। इस घटना के सामने आने के बाद हर तरफ हड़कंप मचा है। इस घटना से परिवार के लोग भी स्तब्ध हैं। जानकारी के अनुसार नासिक के सुरगाणा तालुका के मालगोंदा के यशवंत मोहन ठाकरे की उसकी ही पत्नी द्वारा कुल्हाड़ी से काटकर हत्या करने की घटना एक महीने बाद सामने आई है। दरअसल गुजरात के बिलिमोरा में मजदूरी करने गया बेटा दो महीने तक वापस नहीं लौटा तो यशवंत के माता-पिता ने बहू से पूछताछ की लेकिन उसकी कोई खबर नहीं मिली। बहू भी गुजरात के बिलिमोरा के लिए रवाना हो गई। परिवार ने बेटे के लौटने के बारे में पूछताछ करने की कोशिश की। लेकिन उसकी कोई खबर नहीं थी। बेटे का कोई पता नहीं चलते देख माता-पिता हताश हो गए। आखिर में जब यशवंत के भाई की पत्नी उसकी पत्नी प्रभा से मिलने आई तो उसे कुछ संदिग्ध चीजें दिखीं। प्रभा दरवाजे पर यशवंत की चप्पलें गोद में छिपा रही थी। इसी वजह से उसे शक हुआ। फिर उसने ये चीजें अपने पति के कान में डाल दीं। इसके बाद घटना सार्वजनिक हो गई। तलाश करने पर पुलिस को घर के कूड़े के ढेर में उसका शव मिला। पुलिस ने बोरे में बंद क्षत-विक्षत शव को कब्जे में ले लिया और सुरगाणा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ईरान-इजरायल युद्ध को लेकर ओवैसी ने की विदेश मंत्री जयशंकर से अपील

–ईरान में फंसे भारतीय छात्रों और इराक में फंसे श्रद्धालुओं को निकालें

हैदराबाद (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में चल रहे ईरान-इजरायल युद्ध के बीच एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इस अहम मुद्दे की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने एक ट्वीट के जरिए बताया कि ईरान में 1,595 भारतीय छात्र फंसे हैं, जिनमें से 140 मेडिकल छात्र तेहरान यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे हैं। इसके अलावा, इराक में 183 भारतीय श्रद्धालु भी संकट में हैं। ओवैसी ने बताया कि उन्होंने विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव से संपर्क किया है और वहां फंसे सभी भारतीय नागरिकों की पूरी जानकारी भी साझा की है।

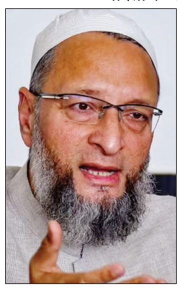

ओवैसी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से तत्काल ईरान से भारतीय लोगों को निकालने के अभियान को शुरू करने की अपील की है। तेलंगाना से संबंधित छात्रों और श्रद्धालुओं की सुरक्षित वापसी के लिए ओवैसी ने तेलंगाना के सीएमओ से भी अपील की है। ओवैसी ने अपने ट्वीट में लिखा- ईरान में 1,595 भारतीय छात्र फंसे हुए हैं, जिनमें 140 मेडिकल छात्र तेहरान यूनिवर्सिटी में हैं। इसके अलावा, 183 भारतीय श्रद्धालु इराक में फंसे हैं। उनकी जल्द से जल्द निकासी जरूरी है। मैं विदेश मंत्री जयशंकर और तेलंगाना सीएमओ से अपील करता हूं कि इनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जाए।

बता दें इस समय ईरान और इजरायल के बीच चल रही सैन्य कार्रवाई से न केवल इन देशों बल्कि आसपास के इलाकों में भी स्थिति अस्थिर है। एयरस्पेस बंद हैं, बमबारी और ड्रोन हमले लगातार जारी हैं। ऐसे में भारतीय नागरिकों की जान को खतरा होने की आशंका को नकारा नहीं जा सकता। ईरान और इजरायल में भारतीय दूतावास ने वहां मौजूद भारतीयों को सतर्क और सुरक्षित रहने के अपील की है।

राहुल चीन-पाक दूतावास और विदेशी मीडिया पर भरोसा करते हैं देश पर नहीं

–केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने रविवार को राहुल गांधी पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने महाकुंभ में हुई भगदड़ के दौरान हुई मौतों की गलत रिपोर्टिंग को लेकर योगी सरकार की आलोचना की थी। गिरिराज ने राहुल गांधी पर बार-बार विदेशी स्रोतों और बयानों पर भरोसा करने का आरोप लगाया, जो उनके मुताबिक भारत की छवि को कमजोर करते हैं। गिरिराज ने राहुल गांधी की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि राहुल गांधी चीनी-पाकिस्तानी दूतावास और बीबीसी की रिपोर्ट पर भरोसा करते हैं, लेकिन उन्हें अपने देश पर भरोसा नहीं है। यह राहुल गांधी की विश्वसनीयता का सही प्रतिबिंब है।

उन्होंने कहा कि चाहे ऑपरेशन सिंदूर हो या बीबीसी की कोई भी रिपोर्ट वह हमेशा भारत के खिलाफ बोलते हैं। ऐसा लगता है जैसे उन्होंने देश के खिलाफ ही बोलने की कसम खा ली है। बता दें यह विवाद तब शुरू हुआ जब राहुल गांधी ने बुधवार को बीबीसी की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि महाकुंभ में भगदड़ में मरने वालों की वास्तविक संख्या योगी सरकार ने छिपाई थी। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा- बीबीसी की रिपोर्ट से पता चलता है कि कुंभ मेले में भगदड़ में हुई मौतों के आंकड़े छिपाए गए थे। कोविड की तरह गरीबों के शवों को आंकड़ों से मिटा दिया गया। हर बड़ी रेल दुर्घटना के बाद की तरह सच्चाई को दबा दिया जाता है। सत्तारूढ़ बीजेपी की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि यह बीजेपी मॉडल है। अगर गरीबों की गिनती नहीं होगी, तो जवाबदेही भी नहीं होगी। राहुल गांधी की टिप्पणियों पर बीजेपी नेताओं की तीखी प्रतिक्रिया दी थीं, जिसमें कई लोगों ने उन पर संवेदनशील मामलों का राजनीतिकरण करने और घरेलू संस्थानों की बजाय विदेशी मीडिया पर भरोसा करने का आरोप लगाया था।

तिरुवनंतपुरम में हुई ब्रिटिश एफ-35 लड़ाकू विमान की आपात लैंडिंग

तिरुवनंतपुरम। ईंधन खत्म होने के बाद शनिवार रात एक ब्रिटिश एफ-35 लड़ाकू विमान की अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग करानी पड़ी। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि विमान ने एक विमानवाहक पोत से उड़ान भरी थी और यह रात करीब साढ़े नौ बजे सुरक्षित उतर गया। सूत्रों के मुताबिक हवाई अड्डा प्राधिकारियों ने सुचारू एवं सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए आपातकालीन स्थिति की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पायलट ने कम ईंधन की सूचना दी और उतरने की अनुमति मांगी। पूरी स्थिति से शीघ्रता और पेशेवर तरीके से निपटा गया। विमान फिलहाल हवाई अड्डे पर ही खड़ा है। सूत्रों ने बताया कि केंद्र सरकार के संबंधित अधिकारियों से मंजूरी मिलने के बाद ही विमान में ईंधन भरा जाएगा।

अरुणाचल में बारिश का कहर, बीते एक सप्ताह से चीन से सटा जिला हुआ बेहाल

इटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश का अंजाव जिला देश के अन्य हिस्सों से पिछले आठ दिनों से पूरी तरह से कटा हुआ है। भारत-चीन और भारत-म्यांमार सीमा को जोड़ने वाला नेशनल हाइवे-113 पर भी कई जगह कटाव और गड्ढे हो गए हैं। इसकी वजह से यह रास्ता भी इस्तेमाल के लायक नहीं है। इस हाइवे के अरोवा-खुपा-हायुलियांग के मोनपानी सेक्शन पर भी हालात ठीक नहीं है। इस वजह से स्थानीय लोगों तो परेशानी हो ही रही है। साथ ही रणनीतिक रूप से अहम चीनी सीमा से सटे इलाकों तक पहुंचना भी मुश्किल हो रहा है।

स्थानीय अधिकारियों ने ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। इसमें स्थानीय निवासियों से रात में यात्रा करने से बचने और सावधानी बरतने के लिए कहा गया है। इस बीच महिला एवं बाल विकास मंत्री और इस क्षेत्र से विधायक दासांग्लू पुल ने जमीन पर

हालात का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि मोनापानी में काम चल रहा है। इसके लिए अधिकारी पूरी शिद्दत से जुटे हुए हैं। इसके अलावा फंसे हुए लोगों की मदद के लिए हेलीकॉप्टर सेवा भी शुरू की गई है। रास्ता बंद होने के चलते दूर स्थित किबिथू और चगलगाम तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। चीन और म्यांमार की सीमा से जुड़े होने के चलते यह दोनों इलाके रणनीतिक रूप से बेहद अहम हैं। वहीं, कई इलाकों में स्थानीय समुदाय के लोग अलग-थलग पड़ गए हैं। खासतौर पर हायुलियांग, हवाई और आसपास के गांवों में चीजों की भारी किल्लत हो रही है। वाहनों का यातायात ठप होने के चलते तमाम स्थानीय लोग कई किलोमीटर पैदल चलकर जरूरी चीजें लाने के लिए विवश हैं।

बनेगा अस्थायी रास्ता

मंत्री पुल ने यह भी बताया कि अस्थायी तौर पर एक रास्ते की मंजूरी दी गई है, ताकि भविष्य में किसी तरह की दिक्कत होने पर उसका इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने कहाकि एक बार हालात सामान्य हो जाने के बाद इस नए रास्ते के लिए काम शुरू होगा। एनएच-113 कॉरिडोर के महत्व पर जोर देते हुए मंत्री ने कहाकि यह रास्ता हाइवे से बढ़कर है। यह लाइफलाइन है। मैं लोगों से अपील करती हूं कि शांति और सहयोग बनाए रखेंगे। लोगों की समस्या को हल करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

पूर्व एमएलए के समर्थकों ने अजित पवार के कार्यक्रम में किया हंगामा

–समझाने के बाद भी नहीं माने तो पुलिस ने किया बाहर

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में भूख हड़ताल पर बैठे पूर्व विधायक बच्चू कडू के समर्थकों ने शनिवार को पुणे में एक कार्यक्रम में डिप्टी सीएम अजित पवार के संबोधन शुरू करते ही हंगामा कर नारेबाजी की। यह घटना उस समय हुई जब पवार एक आदर्श विद्यालय के उद्घाटन और शिक्षकों को पुरस्कार वितरित करने के लिए मंच पर आए। करीब 10 मिनट तक चले घटनाक्रम के बाद प्रदर्शनकारियों को कार्यक्रम स्थल से बाहर निकाला गया।

कडू के समर्थकों ने आरोप लगाया कि अचलपुर के पूर्व विधायक की भूख हड़ताल के बावजूद राज्य सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है। कडू पिछले सात दिनों से अमरावती की तेओसा तालुका के गुरुकुंज मोजारी में भूख हड़ताल पर हैं। वह राज्य के किसानों के लिए पूर्ण ऋण माफी और दिव्यांगजनों के लिए छह हजार रुपए प्रति माह सहायता की मांग कर रहे हैं।

बता दें कार्यक्रम में जब अजित पवार संबोधित करने के लिए खड़े हुए तो कडू के कुछ समर्थकों ने उन्हें बीच में रोक दिया और नारेबाजी करने लगे। पुलिस और अन्य अधिकारियों ने जब कडू के समर्थकों को रोकने की कोशिश की तो पवार ने अधिकारियों से उन्हें अपनी बात कहने को कहा। डिप्टी सीएम ने उन्हें शांत करने की कोशिश करते हुए कहा कि शुक्रवार को राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कडू से बात की थी और कहा था कि एक समिति बनाने का फैसला लिया गया है और उनकी मांगों पर फैसला लिया जाएगा।

कडू के समर्थक हालांकि किसी बात को सुनने को राजी नहीं थे, जिसके बाद अजित पवार ने पुलिस को निर्देश दिया कि वे उन्हें सभागार से बाहर ले जाएं। पुलिस ने निर्देश का पालन करते हुए समर्थकों को बाहर निकाल दिया। एक महिला समर्थक ने बाद में आरोप लगाया कि सरकार कडू की मांगों के प्रति उदासीन है, जबकि वह पिछले एक सप्ताह से किसानों की मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कडू को कृषि ऋण माफी की मांग पर फैसला लेने के लिए एक समिति गठित करने का आश्वासन दिया था।

विमान गिराने का पाक का दावा झूठा, एफ-35 से ज्यादा खतरनाक है राफेल: एरिक

–यह जासूसी मिशन, परमाणु प्रतिरोध और एयरक्राफ्ट से उड़ान भरेन में सक्षम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान में आंतकी ठिकानों को तबाह करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाया। इससे पाकिस्तान भड़का और भारत पर हमले किया, लेकिन भारत की जवाबी कार्रवाई के आगे वह टिक नहीं सका। भारतीय सेना ने उसकी सभी कोशिशों का नाकाम कर दिया। भारत से मिली हार के बाद पाकिस्तान ने पुरानी तरकीब अपनाई। अपनी इस हार को जीत बताने के लिए कई दावे करने लगा।

इस दौरान पाकिस्तान ने दावा किया था कि इस संघर्ष में उसने भारत के तीन राफेल समेत पांच लड़ाकू विमानों को मार गिराया। हालांकि इसके लिए ना तो सबूत दिए और ना ही कोई तथ्य। अब राफेल बनाने वाली कंपनी ने पाकिस्तान के इस दावे को खारिज कर दिया है। फ्रांस की विमान निर्माता कंपनी के सीईओ एरिक ट्रापि ने पाकिस्तान द्वारा तीन भारतीय राफेल फाइटर जेट मार गिराने के दावों को खारिज कर दिया है। उन्होंने इस दावे को गलत और तथ्यहीन बताया है।

एरिक का यह बयान ऐसे समय में आया है जब कुछ ही दिनों बाद पेरिस एयर शो आयोजित होने वाला है और दुनियाभर में आधुनिक लड़ाकू विमानों की युद्ध-क्षमता को लेकर चर्चा तेज हो गई है। उन्होंने कहा कि भारतीय राफेल के गिरने की खबरें गलत हैं। हमें राफेल की क्षमताओं और उसकी जंग में टिकाऊपन पर पूरा यकीन है। उन्होंने कहा कि राफेल एक बहुपयोगी विमान है। यह हवा से हवा में लड़ाई, भूमि पर हमले, जासूसी मिशन, परमाणु प्रतिरोध, और एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ान में सक्षम है। एरिक ने राफेल की तुलना में कहा यह एफ-22 जैसे स्टील्थ विमानों से मुकाबले में कुछ सीमाएं हो सकती हैं, लेकिन एफ-35 की तुलना में राफेल युद्ध के लिए ज्यादा बेहतर है। चीन के मौजूदा लड़ाकू विमानों से कहीं ज्यादा सक्षम है राफेल। बता दें पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने कुछ दिन पहले एक इंटरव्यू में दावा किया था कि पाकिस्तान ने 5 भारतीय लड़ाकू विमान, जिनमें 3 राफेल शामिल थे, मार गिराए हैं। कुछ भारतीय सैनिकों को बंदी भी बनाया गया है। हालांकि पाकिस्तान ने इन दावों का कोई ठोस सबूत सार्वजनिक नहीं किया गया है। भारतीय रक्षा सूत्रों ने कहा है कि

भारत को कुछ नुकसान हुआ, लेकिन आईएएफ ने पाकिस्तान को कहीं ज्यादा क्षति पहुंचाई है। भारत ने 6 पाकिस्तानी लड़ाकू विमान, 2 निगरानी विमान, 1 सी-130 ट्रांसपोर्ट प्लेन, 30 से ज्यादा मिसाइलें और कई ड्रोन तबाह किए हैं।

संक्षिप्त समाचार

इस्राइल ने युद्ध शुरू किया, हम उनको भागने नहीं देंगे, खामेनेई की नेतन्याहू को चेतावनी

तेहरान, एजेंसी। ईरान और इस्राइल के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इस्राइल के हमलों के बाद ईरान ने भी पलटवार किया है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने इस्राइल को चेतावनी दी है। खामेनेई ने बदला लेने की कसम खाई है। एक संदेश में ईरानी नेता ने कहा कि इस्राइल ने युद्ध शुरू किया। हम उन्हें उनके द्वारा किए गए इस महान अपराध से सुरक्षित रूप से भागने नहीं देंगे। इस्राइल के हमले के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने कहा कि हम इस्राइली हमलों का बदला लेंगे। ईरानी सेना जवाबी हमले के लिए तैयार है। यह मत सोचिए कि उन्होंने हमला किया और सब खत्म हो गया, नहीं। उन्होंने काम शुरू किया और युद्ध शुरू किया। हम उन्हें उनके द्वारा किए गए इस महान अपराध से सुरक्षित रूप से भागने नहीं देंगे। एक्स पर पोस्ट में खामेनेई ने कहा कि इस्राइली शासन ने बड़ी गलती की है, एक गंभीर त्रुटि की है, और लापरवाह काम किया है। इसका परिणाम यहूदियों के शासन को बर्बाद कर देगा। ईरानी राष्ट्र अपने लोगों के खून का बदला लिए बिना नहीं रहेगा, न ही वह अपने हवाई क्षेत्र के उल्लंघन को अनदेखा करेगा। हमारे सशस्त्र बल तैयार हैं, और देश के अधिकारी और सभी लोग सशस्त्र बलों के पीछे हैं। खामेनेई ने कहा कि हम इस्राइल पर कोई दया नहीं दिखाएंगे। हमें यहूदियों को कड़ा जवाब देना चाहिए। हम ताकत के साथ जवाब देंगे। यहूदियों के लिए अब जीवन कठिन हो जाएगा। हमारी सेनाएं दुश्मन को कड़ी टक्कर देंगी। ईरानी लोग हमारे साथ हैं। वे सशस्त्र बलों का समर्थन करते हैं, और ईरान के लोग निश्चिंत रहें और आश्वस्त रहें कि हर संभव प्रयास किया जाएगा। हमारी सेनाएं यहूदियों को भारी नुकसान पहुंचाएंगीं। उन्होंने कहा कि ईरानी लोग हमारे साथ हैं। वे सशस्त्र बलों का समर्थन करते हैं और ईश्वर की इच्छा से ईरान यहूदियों के शासन पर विजय प्राप्त करेगा।

गाजा युद्धविराम पर हुए मतदान से भारत की दूरी

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में गाजा के लिए तत्काल, बिना शर्त और स्थायी युद्धविराम की मांग वाले मसौदा प्रस्ताव पर मतदान से भारत ने दूरी बनाई है। महासभा में स्पेन द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव पर मतदान हुआ। इसमें तत्काल, बिना शर्त तथा स्थायी युद्धविराम तथा हमास व अन्य समूहों द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों की तत्काल तथा बिना शर्त रिहाई की मांग की गई। भारत समेत 19 देशों ने मतदान में भाग नहीं लिया। इसके पक्ष में 149 मत पड़े जबकि 12 देशों ने विरोधी मत दिया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने कहा कि यह प्रस्ताव गाजा में बिगड़ती मानवीय स्थिति की पृष्ठभूमि में लाया गया है। भारत गहराते मानवीय संकट से चिंतित है और नागरिकों की मौत की घटना की निंदा करता है। भारत हमेशा द्विराष्ट्र समाधान के पक्ष में : हरीश ने कहा, भारत हमेशा शांति-मानवता के पक्ष में रहा है। भारत ने हमेशा इस्राइल-फलस्तीन मुद्दे के लिए बातचीत से द्विराष्ट्र समाधान का समर्थन किया है, ताकि एक संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य फलस्तीन राज्य की फिर से स्थापना हो सके।

बांग्लादेश में अगले साल फरवरी में हो सकते है चुनाव

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने अगले साल फरवरी में राष्ट्रीय चुनाव कराने की संभावना का संकेत दिया है। यूनुस ने कहा, यदि राजनीतिक और न्यायिक सुधारों पर पर्याप्त प्रगति हुई, तो रमजान से पहले के सप्ताह में चुनाव कराए जा सकते हैं। इससे पहले उन्होंने अप्रैल के महीने में चुनाव कराने की घोषणा की थी। बता दें कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने अंतरिम सरकार से आग्रह किया था कि चुनाव रमजान से पहले कराए जाएं। दरअसल, इस समय यूनुस और बीएनपी के तारिक रहमान दोनों लंदन में है। यूनुस की टिप्पणी दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद की गई है। विपक्षी समूह चुनाव जल्द से जल्द कराने के लिए दबाव बना रहे हैं। बीएनपी ने चेताया कि यदि चुनाव दिसंबर से आगे टाले गए तो जनता में अशांति फैल सकती है।

यूक्रेन को वापस मिले 1,200 सैनिकों के शव, इस्तांबुल शांति वार्ता के बाद बड़ा आदान-प्रदान

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच लगभग तीन साल से चल रहे संघर्ष के बाद इस्तांबुल में हुई शांति वार्ता के बाद यूक्रेन को अपने 1200 सैनिकों के शव वापस मिले हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। यूक्रेन के कैदियों के मामलों के समन्वय मुख्यालय ने बताया कि यह शव रूसी पक्ष ने सौंपे हैं, जिनमें अधिकतर यूक्रेनी सैनिकों के हैं। शवों की वापसी यूक्रेन की सेना, सुरक्षा सेवा, गृह मंत्रालय और अन्य सरकारी एजेंसियों की मदद से हुई। जिसके बाद अब फॉरेंसिक विशेषज्ञ इन शवों की पहचान करेंगे। बता दें कि यह अब तक का सबसे बड़ा शवों का आदान-प्रदान माना जा रहा है, जो रूस के यूक्रेन पर फरवरी 2022 में किए गए हमले के बाद हुआ है। जहां इसी हफ्ते की शुरुआत में भी रूस ने यूक्रेन को 1,212 शव सौंपे थे, जबकि बदले में रूस को 27 शव मिले।

इजराइल-ईरान में 8 घंटे भीषण लड़ाई, इजराइल ने परमाणु ठिकानों पर फिर हमला बोला, जवाब में ईरान ने 150 मिसाइलें दागीं

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल ने शुक्रवार देर रात भारतीय समयानुसार करीब 10~30 बजे ईरान पर एयरस्ट्राइक की। इजराइली फाइटर जेट्स ने ईरान के परमाणु ठिकानों को दोबारा निशाना बनाया। इन हमलों में ईरान के 78 लोग मारे गए और 350 से ज्यादा घायल हुए। जवाब में ईरान ने 150 बैलिस्टिक मिसाइलें इजराइल की ओर दागीं। इनमें से 6 मिसाइलें राजधानी तेल अवीव में गिरीं, जिसमें 2 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 90 से ज्यादा लोग घायल हो गए। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स में इजराइली रक्षा मंत्रालय को भी निशाना बनाने का दावा किया गया। यह हमले भारतीय समयानुसार शनिवार सुबह करीब 7~15 बजे तक जारी रहे। ईरान की ओर से हमले की आशंका के चलते इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को सुरक्षित ठिकाने पर शिफ्ट कर दिया गया था। इजराइल ने एक दिन पहले शुक्रवार सुबह 5~30 बजे ईरानी परमाणु और कई मिलिट्री ठिकानों को निशाना बनाया था। इसमें 6 परमाणु वैज्ञानिक और 20 से ज्यादा मिलिट्री कमांडर्स मारे गए थे।

इजराइली एयरफोर्स ने डेड सी के पास ईरानी ड्रोन मार गिराए : इजराइली डिफेंस फोर्स ने बताया कि डेड सी और दक्षिणी वेस्ट बैंक के पास दागे गए कई ईरानी ड्रोनों को इजराइली एयरफोर्स ने मार गिराया। वहीं, इजराइल के किरयात शमोना और गैलिली पैनहैंडल में संदिग्ध ड्रोन घुसपैठ की चेतावनी वाले सायरन बज रहे हैं।

जॉर्डन ने अपना एयरस्पेस फिर से खोला : जॉर्डन ने स्थानीय समयानुसार सुबह 7~30 बजे से अपना एयरस्पेस दोबारा खोल दिया है। इससे पहले जॉर्डन ने कल इजराइल-ईरान में तनाव के बीच एयरस्पेस को बंद करने का फैसला किया था। जॉर्डन सरकार के प्रवक्ता मोहम्मद अल-मोमानी ने कहा था कि देश अपने हवाई क्षेत्र का उल्लंघन नहीं होने देगा और न ही इसे किसी भी संघर्ष का मैदान बनने देगा।

ईरान ने परमाणु समझौते पर चर्चा को बताया बेकार : ईरान के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि इस्राइल के हमले के बाद अमेरिका के साथ परमाणु समझौते पर चर्चा करना अर्थहीन है। ईरानी विदेश मंत्रालय के इस बयान से रविवार को दोनों देशों के बीच ओमान में होने वाली बैठक खटाई में पड़ गई है। हालांकि मंत्रालय को बातचीत को पूरी तरह से खारिज नहीं किया। मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि अमेरिका ने जो किया है, उसके बाद बातचीत करना बेकार है। उन्होंने कहा कि इस्राइल ने हमला कर सभी रेड लाइन क्रॉस कर दी हैं।

ईरान के इस्राइल पर हमले में तीन की मौत : ईरान ने शनिवार की सुबह इस्राइल पर मिसाइल हमला किया। इस हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हुई है और दर्जनों घायल हुए हैं। तेल अवीव में एक महिला की मौत हुई है। सेंट्रल इस्राइल में हुए मिसाइल हमले में दो लोगों की मौत हुई थी। सेंट्रल इस्राइल में हुए हमले में 19 लोग घायल भी हुए हैं। इस्राइल का कहना है कि चार मकान बुरी तरह से तबाह हुए हैं।

ईरान का एयरस्पेस बंद, इंडिगो ने जारी किया बयान : भारतीय एयरलाइंस ने बयान जारी कर बताया है कि ईरान और इस्राइल के संघर्ष के चलते ईरान के आसपास का एयरस्पेस बंद है, जिसके चलते कुछ फ्लाइट्स के रास्तों में बदलाव हो सकता है। इसके चलते यात्रा का समय बढ़ सकता है। इंडिगो ने यात्रियों से अपील की कि वे अपनी फ्लाइट का स्टेटस एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले वेबसाइट या मोबाइल एप पर चेक करते रहें। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने इस्राइल और ईरान से संघर्ष रोकने की अपील की है। यूएन चीफ ने कहा कि इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले किए, जिसके बाद ईरान ने तेल अवीव पर मिसाइल अटैक किए। अब बहुत हुआ। इसे रोकने का समय आ गया है। शांति और कूटनीति के साथ बात होनी चाहिए। इस्राइल के ईरान पर हमले को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने शानदार बताया और चेताया कि अभी बहुत कुछ होना बाकी है। ट्रंप ने कहा कि यह शानदार है। हमने उन्हें (ईरान) मौका दिया, लेकिन उन्होंने लिया ही नहीं। अब उन्हें बड़ा झटका लगा है और अभी बहुत कुछ होना बाकी है। ईरान ने तेल अवीव में भी मिसाइलों से इमारतों को निशाना बनाया है। वहीं, इस्राइल के राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा, आपदा, एम्बुलेंस और रक्त बैंक सेवा के मैगन डेविड एडोम ने कहा कि इस्राइल पर ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल हमले में करीब 22 लोग घायल हुए हैं। दो लोगों की हालत गंभीर बताई गई है। वहीं दो की हालत मध्यम है, जबकि बाकी लोगों को हल्की चोटें आई हैं। हालांकि कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि ईरानी हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, वहीं 70 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

इजरायली हमले से ईरान के साथ परमाणु समझौता करने में मिल सकती है मदद : ट्रंप

ह्यूस्टन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मानना है कि इजरायली हमले से उनके प्रशासन को ईरान के साथ परमाणु समझौता करने में मदद मिल सकती है। मीडिया आउटलेट एक्सियोस ने जब ट्रंप से पूछा कि क्या इजरायल की बमबारी ने समझौते को खतरे में डाला? इस पर ट्रंप ने कहा, मुझे ऐसा नहीं लगता। शायद इसके विपरीत। शायद अब वह गंभीरता से बातचीत करेंगे। मैं उन्हें 60 दिनों में डील करने के लिए राजी नहीं कर सका। वह डील के करीब थे, उन्हें यह करना चाहिए था। शायद अब यह हो जाएगा। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने एक्सियोस की रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि ट्रंप ने हमले के बाद पहली बार शुक्रवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात की। रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति ट्रंप ने फोन पर हुई इस बातचीत का विवरण देने से इनकार कर दिया है। वह इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहते थे कि नेतन्याहू ने संयुक्त राज्य अमेरिका से सीधे ऑपरेशन में शामिल होने के लिए कहा था या नहीं। शुक्रवार को ट्रंप ने कई मीडिया आउटलेट्स को इंटरव्यू दिए। इस दौरान ट्रंप ने बार-बार ईरान से इजरायल के आगे के हमलों से बचने के लिए परमाणु समझौता करने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यह और भी नृशंसहोगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने एनबीसी न्यूज से कहा, उन्होंने डील करने का मौका गंवा दिया। अब उनके पास एक और अवसर होसकता है। हम देखेंगे। ट्रंप ने रॉयटर्स से कहा, वह अभी भी एक डील कर सकते हैं। अभी बहुत देर नहीं हुई है। ट्रंप ने शुक्रवार सुबह अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पोस्ट में लिखा, ईरान को एक डील करनी चाहिए, इससे पहले कि कुछ भी न बचे। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी विदेश विभाग ने कतर और कई अन्य अमेरिकी मध्य पूर्व सहयोगियों को इजरायल के ईरान पर हमला करने से कुछ घंटे पहले सूचित किया था। ट्रंप ने शुक्रवार को वाशिंगटन पोस्ट को बताया कि उन्हें पहले ही पता था कि इजरायल ईरान पर हमला करेगा। उन्होंने कहा, मुझे तारीख पता थी, क्योंकि मैं सब कुछ जानता हूं। मैं सब कुछ जानता हूं। मैं सब कुछ जानता हूं।

कार्लो के रूप में ईसाइयों को मिलेगा पहला मिलेनियल संत; पोप देंगे उपाधि, गॉड इंफ्लूएंसर के तौर पर पहचान

रोम, एजेंसी। इतावली मूल के कार्लो एक्यूटिस को पोप लियो सात सितंबर को संत की उपाधि प्रदान करेंगे। वह संत बनने वाले पहले मिलेनियल होंगे। 21 अप्रैल 2025 को पोप फ्रांसिस की मृत्यु के बाद इसे कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया गया था। शुक्रवार को पोप लियो 14वें ने घोषणा की कि कार्लो एक्यूटिस को 7 सितंबर को संत घोषित किया जाएगा। बता दें कि कार्लो एक्यूटिस को गॉड इंफ्लूएंसर कहा जाता है। वह संत की उपाधि पाने वाले पहले मिलेनियल (1981-1996 के बीच जन्में) होंगे। 3 मई 2006 को लंदन में जन्में कार्लो की 15 साल की उम्र में ल्यूकीमिया से मौत हो गई थी। मृत्यु के दो दशक बाद उन्हें संत की उपाधि दी जाएगी। रोमन कैथोलिक चर्च में किसी भी उम्र के शख्स को संत की उपाधि दी जाती है, हालांकि ये दर्जा उनके निधन के बाद ही दिया जाता है। कार्लो बचपन से ही दूसरे बच्चों से अधिक धार्मिक थे। उन्होंने काफी कम उम्र में ही कोडिंग सीख ली थी और एक वेबसाइट बनाकर कैथोलिक सोसायटी में हो रहे चमत्कारों को एकसाथ लिस्ट किया था और चर्च की शिक्षाओं को फैलाया था। द सन की एक रिपोर्ट के मुताबिक कार्लो ने चमत्कारिक ढंग से 2 लोगों की जानें बचाई थीं। पहला मामला कोस्टा रिका की लिलियाना नाम की एक महिला से जुड़ा है।

ईरान ने इजरायल पर दागी मिसाइलें, बढ़ते टकराव के बीच एनएससी की आपात बैठक

संयुक्त राष्ट्र , एजेंसी। ईरान ने अपनी न्यूक्लियर फैसिलिटी और नेताओं पर हमले का बदला लेते हुए इजरायल पर मिसाइलों की बरसात कर दी है। सुरक्षा परिषद ने इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) के शीर्ष अधिकारी को चेतावनी दी है कि न्यूक्लियर फैसिलिटी पर हमलों के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। आईएईए के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने कहा, न्यूक्लियर फैसिलिटी की सुरक्षा को खतरे में डालने वाली कोई भी सैन्य कार्रवाई ईरान, क्षेत्र और उससे बाहर के लोगों के लिए गंभीर परिणाम पैदा कर सकती है। आईएईए की जनरल काउंसिल ने कहा है कि न्यूक्लियर फैसिलिटी पर सैन्य हमले यूएन चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हैं। संयुक्त राष्ट्र की अंडर सेक्रेटरी जनरल रोजमेरी डिकार्लो ने ईरान के अनुरोध पर बुलाई गई काउंसिल की आपातकालीन बैठक में कहा, हमें हर कीमत पर बढ़ते संघर्ष से बचना चाहिए, जिसके वैश्विक परिणाम बहुत घातक होंगे। रोजमेरी डिकार्लो ने कहा कि रविवार को ओमान में वाशिंगटन और तेहरान के बीच वार्ता फिर से शुरू होने के साथ ही महत्वपूर्ण कूटनीतिक घटनाक्रम के चलते इजरायल ने ईरान पर हमला किया। ईरान ने इस वार्ता से खुद को अलग कर लिया है। डिकार्लो ने कहा, ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम की

शांतिपूर्ण प्रकृति को सुनिश्चित करने के लिए वार्ता के जरिए शांतिपूर्ण समाधान सबसे अच्छा विचार है। अमेरिकी विदेश विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मैककॉय पिट ने बताया कि अमेरिका अभी भी बातचीत को तैयार है। उन्होंने कहा, हम शांति चाहते हैं। जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा- हिंसा खत्म होनी चाहिए और ईरान को एक समझौता करना चाहिए, ताकि कोई और मौत, कोई और विनाश न हो।

संयुक्त राज्य अमेरिका एक राजनयिक समाधान की तलाश जारी रखेगा, जो यह सुनिश्चित करेगा कि ईरान कभी भी न्यूक्लियर वैपन हासिल न करे, या मिडल ईस्ट में स्थिरता के लिए खतरा पैदा न करे। इस समय ईरान के नेतृत्व के लिए बातचीत करना बुद्धिमानी होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान, उन्होंने कुछ अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को हटाने के बदले में ईरान के न्यूक्लियर बम के लिए सामग्री का उत्पादन करने के कार्यक्रम को रोकने हेतु एक अंतरराष्ट्रीय समझौते से खुद को अलग कर लिया था।

बांग्लादेश में कोविड से दो और लोगों की मौत, 15 नए मामले सामने आए

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में शुक्रवार को पिछले 24 घंटे के दौरान कोविड-19 से दो नई मौतें दर्ज की गईं। इस वर्ष कोविड-19 से पहली मृत्यु 5 जून को दर्ज की गई, जब राजधानी ढाका में एक व्यक्ति की इस संक्रामक बीमारी से मौत हो गई। इसके अलावा, कोविड-19 के 15 नए मामले भी सामने आए हैं। इसके साथ ही शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 8 बजे तक 24 घंटे में दैनिक परीक्षण सकारात्मकता दर बढ़कर 8.62 प्रतिशत हो गई। आधिकारिक आंकड़ों से पता चला है कि पिछले 24 घंटे में 174 नमूनों का परीक्षण किया गया। देश की अंतरिम सरकार ने अपने एक बयान में कहा कि वह संक्रामक रोग के खिलाफ लोगों की कमजोर होती प्रतिरक्षा को बढ़ाने के लिए कोविड-19 वैक्सीन की खुराक देने के लिए जल्द ही एक अभियान की योजना बना रही है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के महानिदेशक अबू जाफर ने बुधवार को कहा कि 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं और

सह-रुग्णताओं से पीड़ित लोगों को टीका लगाने के लिए अभियान शुरू किया जाएगा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने बताया कि टीकाकरण अभियान के लिए डीजीएचएस के पास लगभग 17 लाख कोविड-19 वैक्सीन का स्टॉक है। कई दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में कोविड-19 संक्रमण में फिर से वृद्धि के बीच, बांग्लादेशी अंतरिम सरकार ने पहले ही लोगों से उन गंतव्यों की यात्रा करने से परहेज करने को कहा है, जब तक कि बिल्कुल आवश्यक न हो। स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतर्गत डीजीएचएस ने भी संबंधित अधिकारियों को संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए सभी बंदरगाहों पर स्वास्थ्य जांच और निगरानी उपायों को बढ़ाने का निर्देश दिया है। सोमवार को जारी निर्देशों में कहा गया है कि कई पड़ोसी देशों में कोरोना वायरस के नए सबवेरिएंट फैल रहे हैं। बांग्लादेश में मंगलवार सुबह तक 13 नए कोविड-19 मामले सामने आए और बुधवार को देश में 10 नए कोविड मामले सामने आए।

लंदन में मोहम्मद यूनुस और बीएनपी नेता तारिक रहमान की मुलाकात

लंदन, एजेंसी। बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता के बीच कार्यवाहक सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने शुक्रवार को लंदन में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान से एक गोपनीय मुलाकात की। यह बैठक यूनुस की ब्रिटेन यात्रा के दौरान हुई। बैठक ऐसे समय में हुई है जब बांग्लादेश में आगामी राष्ट्रीय चुनावों को लेकर राजनीतिक दलों के बीच मतभेद और गहरा रहे हैं। बैठक के बाद जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया कि तारिक रहमान ने यूनुस से 2026 के रमजान से पहले चुनाव कराने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने यह भी कहा कि बीएनपी की अध्यक्ष खालिदा जिया भी इस राय से सहमत हैं। इसके जवाब में यूनुस ने स्पष्ट किया कि वह पहले ही अप्रैल 2026 के पहले पखवाड़े में चुनाव कराने की घोषणा कर चुके हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि यदि आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी हो जाती हैं, तो चुनाव रमजान शुरू होने से एक सप्ताह पहले भी कराए जा सकते हैं। इसके लिए सुधार और न्याय व्यवस्था में पर्याप्त प्रगति जरूरी होगी। उल्लेखनीय है कि यह तारिक रहमान और यूनुस के बीच उनकी 2008 में लंदन प्रवास के

बाद पहली निजी मुलाकात थी। रमजान अगले साल मध्य फरवरी में शुरू होने की संभावना है। इसी बीच बीएनपी के शीर्ष नेता लगातार दिसंबर 2025 तक चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। लंदन से वर्चुअल रैलियों में संबोधित करते हुए तारिक रहमान भी इस मांग को दोहरा चुके हैं। हाल ही में यूनुस ने राष्ट्र के नाम अपने ईद संबोधन में कहा था, मैं देशवासियों को सूचित करता हूं कि अगला आम चुनाव अप्रैल 2026 के पहले पखवाड़े में होगा। उन्होंने यह भी कहा था कि निर्वाचन आयोग उपयुक्त समय पर चुनावी रोडमैप प्रस्तुत करेगा।

फ्रांस में पहले स्थानीय चिकनगुनिया मामले की पुष्टि, स्वास्थ्य अधिकारी इलाके की कर रहे जांच

पेरिस , एजेंसी। फ्रांस में स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस साल का पहला स्थानीय रूप से प्रसारित चिकनगुनिया का मामला दर्ज किया है। चिकनगुनिया मच्छरों के काटने से फैलने वाली बीमारी है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, प्रोवेंस-आल्प्स-कोट दअज़्यूर (पीएसीए) की क्षेत्रीय स्वास्थ्य एजेंसी (एआरएस) ने बताया कि चिकनगुनिया का पहला मामला फ्रांस के दक्षिणी इलाके वर के एक शहर ला क्रो में मिला है। एआरएस ने कहा, किसी मामले को स्थानीय तब कहा जाता है जब किसी व्यक्ति को यह बीमारी देश के अंदर ही हुई हो और उसने लक्षणों के शुरू होने से 15 दिन पहले किसी संक्रमित इलाके की यात्रा न की हो। अगर चिकनगुनिया का मामला यात्रा से जुड़ा नहीं है, तो इसका मतलब है कि जो मच्छर यह वायरस फैलाते हैं, वे देश के अंदर ही मौजूद हैं। मामले सामने आने के बाद इलाके के स्वास्थ्य अधिकारी घर-घर जाकर जांच कर रहे हैं ताकि पता लगाया जा सके कि कहीं और किसी व्यक्ति में चिकनगुनिया के लक्षण तो नहीं हैं। एआरएस ने कहा, बीमारी को फैलने से रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। फ्रांस के बाहर स्थित ला रियूनियन द्वीप पर चिकनगुनिया का प्रकोप काफी बढ़ गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस साल की शुरुआत से अब तक द्वीप पर 53,749 लोग इस बीमारी से संक्रमित हो चुके हैं और 23 लोगों की मौत हो गई है। इसे देखते हुए अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने हाल ही में कई देशों में चिकनगुनिया के प्रकोप के चलते एक यात्रा संबंधी सलाह जारी की है। इनमें केन्या,

मेडागास्कर, मॉरिशस, मायोट, रीयूनियन, सोमालिया और श्रीलंका शामिल हैं। सीडीसी ने कहा, चिकनगुनिया वायरस से संक्रमित ज्यादातर लोगों में कुछ लक्षण विकसित होते हैं। मच्छर के काटने से खुद को बचाकर आप इस बीमारी से बच सकते हैं। इसके लिए कीटनाशक का इस्तेमाल करें, लंबे बाजू की शर्ट और पैंट पहनें, और ऐसे जगहों पर रहें जहां एयर कंडीशनिंग हो या खिड़कियों और दरवाजों पर जाली लगी हो। सीडीसी ने उन यात्रियों को भी टीका लगवाने की सलाह दी है जो चिकनगुनिया बीमारी फैलने वाले इलाके में जा रहे हैं। चिकनगुनिया एक वायरल बीमारी है जो मच्छरों के काटने से इंसानों में फैलती है। इसके लक्षणों में तेज बुखार, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द, थकान, सिरदर्द और शरीर पर दाने शामिल हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

असहनीय उमस के बाद गड़गड़ाहट और चमक के साथ मूसलधार बारिश

बिजली की चमक और गर्जना के साथ बारिश हुई जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में दोपहर बाद अचानक मौसम ने करवट ली। दो बजे तक सूरतवासियों को असहनीय गर्मी का सामना करना पड़ा। पिछले दो-तीन दिनों से लगातार बढ़ रही उमस के कारण लोग बेहाल हो गए थे और बारिश का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

दोपहर तीन बजे के आसपास सूरत का मौसम अचानक बदल गया। पूरा आसमान काले बादलों से ढंक गया और फिर सूरत के लगभग सभी इलाकों में मूसलधार बारिश शुरू हो गई। विशेष रूप से अडाजन, वेसू और अठवालाइन्स जैसे इलाकों में तेज बारिश देखी गई। एकसाथ पूरे शहर में बारिश शुरू होते ही वातावरण में ठंडक फैल गई। बारिश के साथ तेज गर्जना और हवाएं भी चलीं।

सूरत के लोग 7 जून से ही बारिश का इंतजार कर रहे थे, लेकिन निर्धारित समय से एक सप्ताह की देरी से आखिरकार बारिश शुरू हो गई। इस बार मानसून की शुरुआत जबरदस्त अंदाज में हुई। मूसलधार बारिश का असर कुछ ही मिनटों में जनजीवन पर दिखाई देने लगा। आसमान में लगातार गड़गड़ाहट और बिजली की चमक देखी गई। एक सप्ताह बाद बारिश शुरू होने से लोग बेहद खुश नजर आए और गर्मी से राहत मिलने पर राहत की सांस ली।

गुजरात के 7 जिलों के 825 केंद्रों पर LRD परीक्षा संपन्न

उम्मीदवारों ने परीक्षा दी,बोले -"जो तैयारी करके आए थे, उनके लिए पेपर काफी आसान था"

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात राज्य पुलिस भर्ती बोर्ड द्वारा लोक रक्षक दल (कॉन्स्टेबल) की 12 हजार रिक्तियों के लिए आज राज्य के 7 जिलों - अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, राजकोट,

गांधीनगर, आणंद और भावनगर में परीक्षा आयोजित की गई। कुल लगभग 2.48 लाख उम्मीदवारों ने फॉर्म भरे थे। इनमें से कितने उम्मीदवारों ने वास्तव में परीक्षा दी, इसका आधिकारिक आंकड़ा जल्द जारी किया जाएगा।

अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, राजकोट, भावनगर, आणंद और गांधीनगर सहित कुल 825 परीक्षा केंद्रों - स्कूलों में यह परीक्षा आयोजित की गई। सुबह से ही उम्मीदवार परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने लगे थे, जहां उन्हें बायोमेट्रिक व स्कैनिंग के बाद प्रवेश दिया गया।

परीक्षा के दौरान पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। शांतिपूर्ण माहौल में परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। छात्रों ने बताया कि जिन्होंने अच्छी तैयारी की थी, उनके लिए पेपर काफी आसान था।

दमन में भाजपा के दो नेताओं पर धोखाधड़ी का मामला कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने नोटिस जारी किया।

सेवानिवृत्त शिक्षिका से फ्लैट के नाम पर 20.51 लाख लिए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दमन-दीव और दादरा नगर हवेली के राजनीतिक गलियारों में भारी हलचल मच गई है। दमन नगर पालिका के अध्यक्ष अस्पी दमनिया और भाजपा माइनॉरिटी सेल के अध्यक्ष सौकत मिठाणी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है।

व्यास (गुजरात) की एक सेवानिवृत्त शिक्षिका ने आरोप लगाया है कि दोनों नेताओं ने

उन्हें फ्लैट दिलवाने के नाम पर 20.51 लाख रुपये लिए थे। जब पैसे वापस नहीं किए गए, तो पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न करने पर उन्होंने अदालत का सहारा लिया।

दमन की अदालत ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करने का आदेश दिया था। हालांकि, पुलिस ने केवल नोटिस जारी करके ही कार्रवाई पूरी कर दी। सूत्रों के अनुसार, अस्पी दमनिया दमन भाजपा के अध्यक्ष हैं और सौकत मिठाणी दमन-दीव, दादरा नगर हवेली भाजपा माइनॉरिटी सेल के अध्यक्ष हैं।

स्थानीय लोगों का मानना है कि राजनीतिक दबाव के चलते पुलिस ने इन दोनों नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने से परहेज किया है।

दमन म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष अस्पी दमनिया और दमन भाजपा माइनॉरिटी सेल के अध्यक्ष शौकत मिठाणी के खिलाफ व्यारा की एक सेवानिवृत्त शिक्षिका ने धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है। इन दोनों पर फ्लैट दिलाने के नाम पर 20.51 लाख रुपये ठगने का आरोप है। कोर्ट में शिकायत दर्ज होने के बाद अदालत ने दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया।

व्यारा तालुका की सेवानिवृत्त शिक्षिका वनीताबेन टंडेल ने वर्ष 2012 में दमन में फ्लैट खरीदने की योजना बनाई थी। इसी दौरान उनकी पहचान दमन नगर निगम के अध्यक्ष अस्पी ईर्च दमनिया और भाजपा माइनॉरिटी सेल के अध्यक्ष शौकत मिठाणी से हुई, जो बिल्डर भी हैं। दोनों ने वनीताबेन को एक फ्लैट बेचने का वादा किया। वर्ष 2012 से अब तक किस्तों में कुल 20.51 लाख रुपये लिए गए, लेकिन उन्हें न तो वह फ्लैट दिया गया और न ही कोई दूसरा विकल्प।

जब शिक्षिका ने बार-बार फ्लैट की मांग की तो उन्हें आश्वासन दिया गया कि किसी और बिल्डिंग में अच्छी लोकेशन पर उसी कीमत में फ्लैट मिलेगा। लेकिन कई वर्षों तक कोई फ्लैट न देकर उनके साथ विश्वासघात और धोखाधड़ी की गई। पीड़िता ने दमन पुलिस और पुलिस अधीक्षक को भी शिकायत दी, पर दोनों आरोपी प्रभावशाली बिल्डर और राजनेता होने के कारण पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

अंतत: शिक्षिका ने कोर्ट का रुख किया। उनके वकील नितिन एस. प्रधान ने दमन कोर्ट में एफआईआर दर्ज करने की अर्जी दाखिल की। कोर्ट ने उनकी दलीलों को स्वीकार करते हुए आरोपी अस्पी दमनिया और शौकत मिठाणी के खिलाफ पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया।

सूरत मर्केंटाइल एसोसिएशन की 202वीं साप्ताहिक बैठक आयोजित

ऑफलाइन बनाम ऑनलाइन व्यापार, पलायन की घटनाएं और नारी शक्ति सम्मान रहे मुख्य आकर्षण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत मर्केंटाइल एसोसिएशन (एसएमए) की 202वीं नियमित साप्ताहिक समस्या समाधान बैठक का आयोजन सुबह 9:30 बजे से 10:30 बजे तक माहेश्वरी भवन सीटी लाइट परिसर में किया गया। बैठक का नेतृत्व एसएमए प्रमुख नरेन्द्र साबू ने अपनी पंच पैनल एवं कोर कमेटी टीम के साथ किया।

इस अवसर पर लगभग 170 व्यापारीगणों की सक्रिय भागीदारी रही। बैठक में व्यापारी को जानकारी दी गई कि अभिषेक मार्केट एवं मिलेनियम-4 मार्केट के दो व्यापारियों द्वारा हाल ही में व्यापारिक पलायन किया गया है। एसोसिएशन को इससे संबंधित 6 करोड़ रुपये से अधिक के आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो अत्यंत चिंताजनक स्थिति है।

एसएमए द्वारा पिछले दो दिनों में तीन व्यापारिक मामलों में कुल 6,50,000 के समाधान सफलतापूर्वक कराए गए, जिसके लिए व्यापारियों ने संगठन का आभार व्यक्त किया।

ऑफलाइन व्यापार की चुनौतियाँ और ई-कॉमर्स की संभावनाएं बैठक का मुख्य विषय पारंपरिक ऑफलाइन व्यापार पर ई-कॉमर्स के प्रभाव रहा। चर्चा में यह बात सामने आई कि विशेषकर कोविड-19 के बाद युवा वर्ग और 50 वर्ष से कम आयु की महिलाएं शोरूम में खरीदारी के बजाय ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स का अधिक उपयोग करने लगी हैं, जिससे रिटेल व्यापार में भारी गिरावट आई है।

बैठक में निर्णय लिया गया कि व्यापारियों को प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग करना होगा। इस दिशा में मार्गदर्शन हेतु तीन अनुभवी ऑनलाइन व्यापारियों—श्रीकांत चांडक, नेहा साबू और करण जुनेजा को आमंत्रित किया गया। इन्होंने ऑनलाइन व्यापार की कार्यप्रणाली, लाभ और चुनौतियों की विस्तृत जानकारी साझा की।

वास्तु विशेषज्ञ का मार्गदर्शन

बैठक में सूरत के प्रसिद्ध वास्तु विशेषज्ञ एवं न्यूमैरोलॉजिस्ट महावीर पारीक ने भी सहभागिता की। उन्होंने बताया कि व्यक्ति के जीवन में स्वास्थ्य, धन, रिश्ते और प्रगति जैसी समस्याओं का समाधान वास्तु के माध्यम से संभव है। उन्होंने सरल उपायों के माध्यम से जीवन को सुखद बनाने की सलाह दी।

नारी शक्ति सम्मान समारोह

बैठक के दौरान नारी शक्ति सम्मान समारोह का आयोजन भी हुआ। इसमें सूरत की 10 प्रतिष्ठित महिलाओं को उनके सामाजिक व पारिवारिक योगदान हेतु पूर्व महापौर हिमाली भोगावाला के कर-कमलों से सम्मानित किया गया।

सम्मानित महिलाओं के नाम हैं- मधु साबू, नेहा साबू, अंजना चांडक, आरती जावर, सीमा शारदा, रूपल जैन, अंबिका राठी, विद्या गुंजन मालपानी, रुचि मटोलिया और पूजा मटोलिया।

इस अवसर पर एसएमए परिवार के वरिष्ठ सदस्य अशोक गोयल, राजीव उमर, राजकुमार चिरानिया, दुर्गेश टिबड़ेवाल, मनोज अग्रवाल, राजेश गुरनानी, संदीप अग्रवाल, रामकिशोर बजाज, संजय अग्रवाल, अरविंद जैन एवं केवलभाई असीजा आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के निधन के चलते पूरे राज्य में शोक घोषित किया,राष्ट्रध्वज आधे झुके (अर्ध-झुके) रहेंगे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजयभाई रूपाणी का निधन 12 जून, 2025 को हुआ था। उनके निधन से पूरे राज्य में शोक की लहर फैल गई है। गुजरात सरकार ने उनकी श्रद्धांजलि में 16 जून, 2025 (सोमवार) को एक दिन का राज्यव्यापी शोक घोषित किया है।

शोक के इस दिन के दौरान, राज्यभर की उन सभी सरकारी इमारतों पर, जहाँ नियमित रूप से राष्ट्रध्वज फहराया जाता है, वहाँ राष्ट्रध्वज आधा झुकाया जाएगा। इसके अलावा, शोक दिवस पर कोई आधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जाएगा। विजय रूपाणी का अंतिम संस्कार 16 जून, 2025 (सोमवार) को राजकोट में किया जाएगा।

मनीष कुकरी-सागरिता को पीटने के मामले में कोर्ट ने डीसीपी और पीआई को समन जारी

डीसीपी नकुम, वराछा पीआई गोहिल तथा सरथाणा पीआई पटेल को कोर्ट का समन जारी कोर्ट ने फौजदारी जांच को फौजदारी मुकदमे के रूप में दर्ज करने का आदेश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मनीष कुकरी समेत उसके दो साथियों ने पुलिस कस्टडी में मारपीट के आरोप लगाए हैं। इस संबंध में दर्ज की गई कोर्ट शिकायत के आधार पर थर्ड जुडिशियल मजिस्ट्रेट (फौजदारी) डॉ. सुप्रीत कौर गाबा ने फौजदारी जांच को अब आपराधिक मामला मानते हुए डीसीपी नकुम, वराछा पीआई गुजिया और सरथाणा पीआई पटेल - इन तीनों पुलिस अधिकारियों के खिलाफ BNS की धारा 227, 115, 54 (पूर्व में IPC की धारा 323 और 114) के तहत समन जारी करने का आदेश दिया है।

मामला सरथाणा क्षेत्र में होटल संचालक केतन घेलानी और उसके भागीदार पर हमले से जुड़ा है। इस मामले में मनीष कुकरी, मितेश गाबाणी, चिराग उर्फ काळू और आशीष के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई थी। सरथाणा के इंचार्ज पीआई एच.बी. पटेल ने इन आरोपियों को गिरफ्तार कर रिमांड के लिए कोर्ट में पेश किया था।

कोर्ट में पेशी के दौरान आरोपियों ने आरोप लगाया कि पुलिस कस्टडी में सरथाणा पीआई पटेल, डीसीपी नकुम और वराछा पीआई गुजिया ने उन्हें मारा है। इसके बाद कोर्ट ने मेडिकल जांच के लिए आरोपियों को भेजा था। मेडिकल अधिकारी ने चोटों की पुष्टि की रिपोर्ट कोर्ट को सौंपी, जिसके बाद कोर्ट ने फौजदारी जांच को आपराधिक मामला मानते हुए आगे की कार्रवाई के आदेश दिए।

आरोपियों ने शपथ पर दिए गए बयान में कहा कि पचमढ़ी से पुलिस द्वारा पकड़े जाने के बाद उन्हें डीसीपी नकुम के ऑफिस में ले जाया गया, जहां चार अन्य पुलिसकर्मियों ने उन्हें गालियां दीं और लाठी से पैरों पर मारा। मनीष कुकरी को धमकी दी गई कि वह "तू सरथाणा-वराछा इलाके का लफंगा है" यह बात दस बार बोले और मोबाइल में रिकॉर्डिंग की गई। साथ ही उसे झूठे केस में फंसा कर गुजसीटोक (गुजरात गुंडा नियंत्रण अधिनियम) लगाने की धमकी भी दी गई।

आरोपियों ने बताया कि उनके पैरों पर सात से आठ पुलिसकर्मी खड़े हो गए थे और सरथाणा तथा वराछा पीआई ने उनके तलवों पर 20 से 30 डंडे मारे। घटना के रीकंस्ट्रक्शन के बहाने उन्हें सार्वजनिक सड़क पर लंगड़ा कर चलने को मजबूर किया गया और धमकी दी गई कि "अगर दोनों हाथ नहीं जोड़ोगे तो उल्टा लटका देंगे"।

कोर्ट ने आरोपियों के इन बयानों और नई सिविल हॉस्पिटल द्वारा जारी मेडिकल सर्टिफिकेट को ध्यान में लिया, जिसमें कहा गया था कि आरोपियों को 48 से 72 घंटे के भीतर चोटें आई थीं। मेडिकल प्रमाण पत्र से यह पुष्टि हुई कि पुलिस कस्टडी के दौरान मारपीट हुई थी।

इस आधार पर कोर्ट ने माना कि जांच के लिए प्रारंभिक साक्ष्यों को ही ध्यान में रखना होता है और इसकी पुष्टि के लिए पूर्ण सबूत की आवश्यकता नहीं होती। कोर्ट ने तीनों पुलिस अधिकारियों - डीसीपी नकुम, सरथाणा पीआई पटेल और वराछा पीआई गुजिया - के खिलाफ फौजदारी केस दर्ज कर समन जारी करने का आदेश दिया।

रक्तदान एवं स्वास्थ्य जाँच शिविर का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,"विश्व रक्तदान दिवस" के अवसर पर डुमस रोड़ स्थित अवध कॉपर स्टोन सोसाइटी में रविवार को रक्तदान एवं स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 38 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया एवं 200 लोगों ने स्वास्थ्य जांच करवाई।

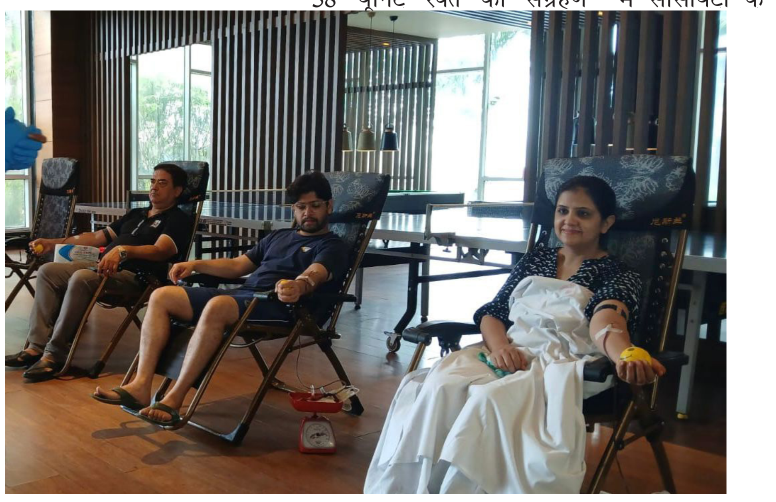

अवध कॉपर स्टोन रेजिडेंट्स एसोसिएशन और कल्चरल कमिटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सोसायटी के अनेकों लोग उपस्थित रहे। आयोजन में सोसाइटी के स्वास्थ्य और सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया गया।